



श्रमसाधना

दैनिक सांध्यकालीन

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnanews.com

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष: 38, अंक: 20 ग्वालियर, शुक्रवार 21 अगस्त 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

चिन्मयानंद यात्रा को दिखाई हरी झंडी, कटनी मामले में सख्ती; वरिष्ठजनों और संगीत साधकों को किया याद

गीता प्रचार से कानून व्यवस्था तक, मुख्यमंत्री ने दिए महत्वपूर्ण संदेश

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को प्रदेश से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने जहां स्वामी चिन्मयानंदजी महाराज को महान संत और आध्यात्मिक विभूति बताते हुए उनके गीता प्रचार एवं समाज सुधार के कार्यों को स्मरण किया, वहीं कटनी प्रकरण में कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस पर बुजुर्गों के सम्मान और अधिकारों के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का भी

आह्वान किया तथा भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खान को श्रद्धांजलि अर्पित की।

चिन्मयानंदजी का

योगदान सदैव स्मरणीय : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वामी चिन्मयानंदजी महाराज महान संत, विचारक और आध्यात्मिक विभूति थे। भारतीय संस्कृति और विशेष रूप से श्रीमद्भगवद्गीता को जन-जन तक पहुंचाने में उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

मुख्यमंत्री निवास से चिन्मय अमृत यात्रा को झंडी दिखाकर खाना करते हुए उन्होंने कहा कि स्वामी चिन्मयानंद मिशन समाज



और युवाओं के नैतिक विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। मिशन की ओर से शिक्षा क्षेत्र में स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों की स्थापना सहित सामाजिक उत्थान के कई कार्य

किए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ से शुरू हुई चिन्मय अमृत यात्रा रीवा, सतना, बैतूल और नर्मदापुरम होते हुए भोपाल पहुंची। अब यह यात्रा झांसी के लिए खाना हुई है। इस अवसर पर

स्वामी चिन्मयानंद मिशन के संरक्षक स्वामी मित्रानंद सरस्वती महाराज सहित बड़ी संख्या में अनुयायी मौजूद रहे।

कानून व्यवस्था में लापरवाही पर होगी कठोर कार्रवाई : कटनी में सामने आए गंभीर मामले को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्य सचिव को संबंधित सीएसपी के तत्काल निलंबन की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही, दबाव या पद का दुरुपयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा। पूरे

मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

वरिष्ठजनों का सम्मान समाज की जिम्मेदारी : अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिन हमें वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के प्रति अपने दायित्वों का बोध कराता है। उन्होंने कहा कि परिवार, समाज और देश के विकास में वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव और योगदान का विशेष महत्व है। उनकी सीख और मार्गदर्शन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

बाल भवन में गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान

संत रविदास के समतामूलक विचार समाज के लिए प्रेरणास्रोत : गुप्ता

ग्वालियर जीएनएस

संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर बाल भवन में आयोजित 'श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा' कार्यक्रम में ग्वालियर विकास प्राधिकरण के वाइस चेयरमैन सुधीर गुप्ता शामिल हुए। उन्होंने संत रविदास महाराज के समतामूलक एवं सामाजिक समरसता के संदेश को नमन किया।

इस अवसर पर सुधीर गुप्ता ने



कहा कि संत रविदास महाराज का जीवन समानता, प्रेम, भाईचारे और मानव सेवा की प्रेरणा देता है। उनके विचार सदैव समाज को एकता, सद्भाव और समरसता की

दिशा में मार्गदर्शन देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि संत रविदास महाराज ने समाज में भेदभाव समाप्त कर समानता और मानवता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

बड़ौनी किले से सुबह 11 बजे शुरू होगा जुलूस, बस स्टैंड पर होगी आभार सभा

बड़ौनी में कल निकलेगा विधायक घनश्याम सिंह का भव्य विजय जुलूस

बड़ौनी जीएनएस

विधानसभा चुनाव में नवनिर्वाचित विधायक कुंवर घनश्याम सिंह की जीत के बाद क्षेत्र में जश्न का माहौल है। विधायक के स्वागत में शनिवार 22 अगस्त को भव्य विजय जुलूस निकाला जाएगा। जुलूस सुबह 11 बजे बड़ौनी किले से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों और बाजार से होते हुए बस स्टैंड पहुंचेगा।

क्षेत्रवासियों का जताएंगे आभार : विजय जुलूस के समापन पर बस स्टैंड बड़ौनी पर



आभार सभा आयोजित की जाएगी। इसमें विधायक कुंवर घनश्याम सिंह क्षेत्रवासियों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त करेंगे।

कार्यकर्ताओं और आमजन से शामिल होने की अपील : ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बड़ौनी के अध्यक्ष गगन गुप्ता ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आमजन से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने सभी से विजय जुलूस में शामिल होकर नवनिर्वाचित विधायक का स्वागत करने का आग्रह किया है।

कार्यक्रम की जानकारी जिला कांग्रेस मीडिया प्रभारी अशोक श्रीवास्तव, दतिया ने दी।

नरेंद्र सिंह तोमर बोले- सेवा, संस्कार और संगठन ही हमारी शक्ति; किसानों के सम्मान और सामाजिक समरसता का लिया संकल्प

ग्राम तुरारी में शिवाभिषेक के बाद हुआ विशाल किसान एवं कार्यकर्ता मिलन समारोह

ग्वालियर जीएनएस

मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने ग्वालियर प्रवास के दौरान ग्राम तुरारी स्थित शिव मंदिर पहुंचकर श्रावण मास के अवसर पर विधि-विधान से रुद्राभिषेक किया। इसके बाद ग्राम तुरारी के पूर्व सरपंच एवं कार्यक्रम संयोजक लाखन सिंह के नेतृत्व में विशाल किसान एवं कार्यकर्ता मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण शामिल हुए।

जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत : नरेंद्र सिंह तोमर दोपहर करीब 2:30 बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचे। उनके रैसक्रॉस रोड स्थित निवास से ग्राम तुरारी तक रास्ते में

किसानों और आमजन ने जगह-जगह स्वागत किया। गांधी रोड, मोटल तानसेन तिराहा, गोविंदपुरी तिराहा, राजमाता सिंधिया चौराहा, महलगांव रोड, माधवनगर गेट, प्रभा होटल, नाका चंद्रबनी चौराहा और विक्री फैक्ट्री चौराहा सहित विभिन्न स्थानों पर 51 स्वागत द्वार बनाए गए थे। लोगों ने पुष्पवर्षा, मालाओं और गमछे पहनाकर उनका अभिनंदन किया।

शिवजी समरसता, त्याग और सेवा के प्रतीक : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि भगवान शिव केवल आराध्य देव ही नहीं, बल्कि समरसता, त्याग, करुणा और लोककल्याण के प्रतीक हैं। शिवजी के दरबार में कोई बड़ा-छोटा नहीं होता। उन्होंने कहा कि ग्राम तुरारी में भगवान शिव के



अभिषेक के अवसर पर वे स्वयं को धन्य महसूस कर रहे हैं। उन्होंने भगवान शिव का पूजन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।

तोमर ने कहा कि किसानों, भाजपा कार्यकर्ताओं और समाज

के विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ एक स्थान पर बैठकर भोजन करना भारतीय संस्कृति की उस महान परंपरा का प्रतीक है, जिसमें सभी को साथ लेकर चलने की भावना सर्वोपरि है। किसान, श्रमिक, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और समाज के विभिन्न वर्ग जब एक साथ भोजन करते हैं तो वहां केवल अन्न का प्रसाद नहीं, बल्कि समानता, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रसाद भी होता है।

उन्होंने कहा कि भगवान शिव हमें प्रेरणा देते हैं कि समाज में भेद नहीं, समरसता हो; दूरी नहीं, अपनापन हो और अहंकार नहीं, सेवा का भाव हो। सभी को अपने समाज और क्षेत्र के विकास में मिल-जुलकर योगदान देने, किसानों का सम्मान करने और प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर आगे

बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में मौजूद अधिकांश लोग उनके पुराने मित्र और परिवार के सदस्य हैं, जिनके साथ वर्षों से पारिवारिक संबंध रहे हैं।

जनप्रतिनिधियों ने भी किया संबोधित : कार्यक्रम को नरेंद्र सिंह तोमर के अलावा मध्यप्रदेश एपेक्स बैंक के अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव, पूर्व विधायक रामबरन सिंह गुर्जर और भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चौधरी वीरेंद्र जैन ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत ग्वालियर के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रामबरन सिंह गुर्जर ने की।

इस अवसर पर भाजपा जिला ग्वालियर महानगर अध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया, नगर निगम

सभापति मनोज तोमर, ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण अध्यक्ष अशोक जादौन, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी, देवेश शर्मा, ग्वालियर विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष वेद प्रकाश शिवहरे, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक जैन, जीडीए के पूर्व उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह गुर्जर, जनपद पंचायत मुरार के पूर्व अध्यक्ष बाबू सिंह गुर्जर, भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा उपाध्यक्ष पं. विवेक शर्मा, भाजपा जिला ग्रामीण किसान मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष वज्रमोहन सिंह गुर्जर, जिला ग्रामीण भाजपा के पूर्व महामंत्री दीपक माहौर, वरिष्ठ भाजपा नेता होतम सिंह गुर्जर, युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री राहुल ढमोले सहित पार्टी के पदाधिकारी, जिला एवं मंडल अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

30 हजार से ज्यादा लोगों को मिलेगा रोजगार

सीएम डॉ. मोहन ने किया एडवांस ऑप्टिकल फाइबर-बैटरी मैनुफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन

भोपाल/धार।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 20 अगस्त को धार जिले के पीथमपुर में एडवांस ऑप्टिकल फाइबर (कोर्सिस) और बैटरी मैनुफैक्चरिंग (वोल्टर्स) प्लांट्स का उद्घाटन किया। इसे लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रसन्नता व्यक्त की। उनका कहना है कि इन उद्योगों से हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे राज्य का विकास तो होगा ही, देश की भी समृद्धि होगी।

उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से कहा कि रोजगारपरक उद्योग की दो नई इंडस्ट्रीज का शुभारंभ किया। भविष्य में तीस हजार से ज्यादा लोगों को यहां रोजगार

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी थे मौजूद



मिलेगा। यहां आधुनिक इंडस्ट्रीज स्थापित की गई हैं। उन्होंने कहा कि ये डिजिटल फाइबर और लिथियम बैटरी बनाने वाली देश

की तीसरी सबसे बड़ी यूनिट है। हमारे राज्य की समृद्धि के लिए, देश के आर्थिक विकास के लिए यहां जर्मन टेक्नोलॉजी पर

आधारित उद्योग लगाया गया है। सबसे तेजी से बढ़ रहा धार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह राज्य और युवाओं को नए दौर में पहुंचाएगा बीते एक माह में मैं लगातार दूसरी बार यहां आया हूं। पिछली बार भी हमने कई उद्योगों का लोकार्पण किया था। पिछले समय जो हमने एमओयू किए, वो धरातल पर उतर रहे हैं। औद्योगिक दृष्टि से हमारा धार सबसे ज्यादा आर्थिक समृद्ध जिला है। यह जिला कभी अपने पिछड़े पन के लिए जाना जाता था। आज यही जनजातीय बहुल धार और पीथमपुर सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले क्षेत्र हैं।

सावन महोत्सव में राधा-कृष्ण नृत्य ने मोहा मन, झूलों और गेम्स का महिलाओं ने उठाया लुफ



फिरोजाबाद, जीएनएस।

जायंट्स ग्रुप ऑफ सशक्त नारी की ओर से सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना, जायंट्स प्रार्थना और टोंग बजाकर किया गया। इसके बाद राधा-कृष्ण की मनमोहक नृत्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। महोत्सव में सावन थीम हाउजी, सरप्राइज गेम्स, नृत्य और मल्लार के साथ झूले और सेल्फी प्वाइंट आकर्षण का केंद्र रहे। महिलाओं ने विभिन्न कार्यक्रमों में उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं उपस्थित अधिकारियों

का भी सम्मान कर उन्हें सावन उपहार भेंट किए गए। प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर कल्पना राजारिया ने सावन के महत्व और इससे जुड़ी सांस्कृतिक परंपराओं की जानकारी दी। यूनिट डायरेक्टर प्राची अग्रवाल, फेडरेशन ऑफिसर वार्तिका जैन और मंजू सिंह ने आयोजन की सराहना करते हुए सभी सदस्यों को बधाई दी। अध्यक्ष निधि जैन, डीओए मेघा जैन और डीओएफ अनु जितेंद्र समेत सभी सदस्यों के सामूहिक सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा। सावन की उमंग और रंगारंग प्रस्तुतियों से सजा महोत्सव महिलाओं के लिए यादगार बन गया।

आईवी इंटरनेशनल स्कूल में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी विद्यार्थी कैबिनेट

फिरोजाबाद, जीएनएस।

आईवी इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थी कैबिनेट का चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत कराया गया। कक्षा तीन से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ मतदान कर अपने प्रतिनिधियों का चयन किया।

चुनाव में हेड बॉय, हेड गर्ल, स्पोर्ट्स मिनिस्टर, कल्चरल मिनिस्टर और डिस्प्लिन मिनिस्टर समेत विभिन्न पदों के लिए विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर वर्ग के लिए अलग-अलग कैबिनेट का गठन किया गया।

चुनाव के जरिए विद्यार्थियों को मतदान प्रक्रिया के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व, अनुशासन और जिम्मेदारी का



व्यावहारिक अनुभव मिला। परिणाम घोषित होने के बाद विजयी छात्र-छात्राओं को प्रधानाचार्या डॉ. नंदिनी यादव ने बैज और सैश पहनाकर सम्मानित किया। इसके बाद नवनिर्वाचित कैबिनेट का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों ने पद की गरिमा बनाए रखने, विद्यालय के नियमों का पालन

करने और जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने की शपथ ली। प्रधानाचार्या डॉ. नंदिनी यादव ने कहा कि विद्यार्थी कैबिनेट बच्चों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

मेडिकल कॉलेज पहुंचे डीएम, छात्रों से पूछा-व्यवस्थाओं में क्या सुधार चाहिए

फिरोजाबाद, जीएनएस।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने बृहस्पतिवार को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कल्पना जायसवाल और सिटी मजिस्ट्रेट विनोद कुमार पांडे के साथ मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कॉलेज की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ एमबीबीएस, पीजी छात्रों और रेजिडेंट डॉक्टरों से सीधे संवाद किया।

डीएम ने छात्रों और डॉक्टरों से कॉलेज की व्यवस्थाओं और समस्याओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि समस्याओं को सामने लाकर उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं।

इसके बाद डीएम ने परिसर स्थित पांचों हॉस्टलों का निरीक्षण किया। इन हॉस्टलों में करीब 700 से अधिक प्रशिक्षणरत डॉक्टर और छात्र रहते हैं। हॉस्टल की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए उन्होंने वार्डन को प्रत्येक सप्ताह बैठक करने के निर्देश दिए।

रेजिडेंट डॉक्टरों की समितियां गठित करने के निर्देश भी दिए गए। ये समितियां नियमित रूप से समस्याओं पर चर्चा कर वार्डन और प्राचार्य को अवगत कराएंगी। परिसर और हॉस्टल में सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए नगर निगम से नियमित सफाई और कूड़ा उठाने की व्यवस्था कराने को कहा गया।

डीएम ने बिजली और पानी से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने व्यवस्थाओं में लापरवाही न बरतने और छात्रों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

सुशासन पहल में डॉक्टर दंगे करियर टिप्स

डीएम ने जिले में शुरू की गई 'फिरोजाबाद सुशासन यूट्यूब पहल' में मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की सहभागिता का प्रस्ताव रखा। उन्होंने डॉक्टरों से विद्यार्थियों के लिए मोटिवेशनल लेक्चर और करियर गाइडेंस देने में सहयोग करने की अपील की।

सहयोग शाखा ने संस्कृति सप्ताह के तहत चलाया नशा मुक्ति अभियान, 125 छात्र हुए लाभान्वित

ग्वालियर, जीएनएस।

भारत विकास परिषद सहयोग शाखा द्वारा आयोजित %संस्कृति सप्ताह% के तृतीय दिवस 20/08/2026 गुरुवार को दोपहर को गोरखी शा.उच्च. माध्यमिक स्कूल के प्रांगण में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक रूप से पूर्ण राष्ट्रगीत %वंदे मातरम्% के सुमधुर गायन के साथ हुई। इसके बाद %नशा मुक्ति अभियान% के तहत विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। परिषद के सचिव रामनाथ अग्रवाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा हमारे जीवन, स्वास्थ्य और परिवार को पूरी तरह बर्बाद कर देता है। उन्होंने सभी को संकल्प दिलाया कि वे स्वयं भी नशे से दूर रहेंगे और अपने आस-पास के लोगों को भी नशा न करने के लिए प्रेरित करेंगे। संस्कृति और %भारत को जानो% पर दी जानकारी-कार्यक्रम में स्कूल की शिक्षिका पुष्पा शर्मा,

गतिविधि संयोजिका शेफाली सिंघल और सुमन अग्रवाल ने बच्चों को भारतीय संस्कृति, उच्च संस्कारों और भारतविकास परिषद की भारत को जानो% प्रतियोगिता की जानकारी को विस्तार से बताया। उन्होंने छात्रों को भारत के गौरवशाली इतिहास और भौगोलिक विविधताओं की महत्वपूर्ण जानकारी दी। स्कूल की प्राचार्या श्रीमती राजबाला माथुर ने भी बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करते हुए भारतीय संस्कृति को जीवन में अपनाने की सीख दी। राष्ट्रगान के साथ हुआ समापन-इस सफल आयोजन में मुख्य रूप से प्राचार्या राजबाला माथुर, पुष्पा मैडम, राजेश भार्गव, सुभाष अग्रवाल, रामनाथ अग्रवाल, कन्हैयालाल अग्रवाल, विनोद सिंघल, शेफाली सिंघल, सुमन अग्रवाल और रामकृष्ण अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ गरिमामय ढंग से हुआ।

चंबल समूह योजना पूर्ण करने दिसंबर 2027 का लक्ष्य

एकल नलजल योजनाओं में काम न करने वाली एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट करें: डीएम

श्रयोपुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि चंबल समूह योजना अंतर्गत दिसंबर 2027 का लक्ष्य निर्धारित कर तेजी से कार्य किया जायें तथा लोगों को स्वच्छ एवं सरफेस वाटर उपलब्ध कराने की इस महत्वपूर्ण परियोजना का कार्य गुणवत्ता के साथ संचालित किया जायें तथा योजना की प्रगति से प्रत्येक माह अवगत कराया जायें। इसके साथ ही उन्होंने पीएचई अंतर्गत संचालित एकल नलजल योजनाओं की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि कार्य पूर्णता: में रुचि नहीं लेने वाली निर्माण एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट

करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जायें।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डि बाई आदिवासी, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद, कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री अफजल अमानुल्ला, जल निगम के जनरल मैनेजर श्री अनंत शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा कि चंबल समूह जल प्रदाय योजना जिले की महत्वपूर्ण योजना है, इसके दीर्घकालीन उपयोग के दृष्टिगत रखते हुए कार्य गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जायें। एकल नलजल योजनाओं की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को नलजल योजनाओं के संरक्षण के प्रति जागरूक किया जायें तथा जल

संरक्षण के प्रति भी प्रेरित करने का कार्य किया जायें। पाईपलाइनों के रख-रखाव एवं नलों में टोटी लगाने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया जाये।

इस अवसर पर जल निगम के महाप्रबंधक श्री अनंत शर्मा ने बताया कि चंबल समूह प्रदाय योजना अंतर्गत 377 ग्रामों में पानी की सप्लाई की जायेगी, इसके तहत श्यारदा गांव में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य शुरू कर दिया गया है। बरोठा में इटेकवैल का निर्माण भी सितंबर माह में शुरू करने के प्रयास किये जा रहे हैं। मूंझरी जल प्रदाय योजना अंतर्गत 120 ग्राम शामिल है तथा स्टेज-2 की प्रक्रिया संचालित है। पीएचई ईई श्री अफजल अमानुल्ला ने बताया कि एकल

नलजल योजना अंतर्गत 256 ग्रामों में कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा 52 ग्रामों में कार्य प्रगतिरत है। 196 योजनाएं पंचायत के हैंडओवर की गई हैं, उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी द्वारा 171 ग्रामों में एकल नलजल योजनाओं को ट्रायल के बाद सर्टिफाइड कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि जिले के 7 हजार 854 पेयजल स्रोतों का क्लोरीनेशन कराया गया है। एसबीएम के जिला समन्वयक श्री जीएस डोगरे ने बताया कि 3 हजार से अधिक आबादी की 49 पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के कार्य किये जा रहे हैं तथा 5 हजार से अधिक आबादी वाली 19 पंचायतों में डोर टू डोर कचरा संग्रहण का कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

जिले के सभी शाला भवन बेहतर और व्यवस्थित रहें, इसके लिये किए जाएं बेहतर प्रयास



ग्वालियर, जीएनएस।

जिले के शासकीय शाला भवन बेहतर हों और वहाँ अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को सभी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध हों। इसके लिये जिले के शासकीय शाला भवनों की मरम्मत का कार्य करने के साथ-साथ जीर्ण-शीर्ण शाला भवनों के स्थान पर नए भवन निर्माण की स्वीकृति भी प्रदान की गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने गुरुवार को जिले के शाला

भवनों की मरम्मत, नवीन निर्माण और शाला भवनों की व्यवस्थाओं के संबंध में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में जीर्ण-शीर्ण शाला भवनों के स्थान पर नवीन भवनों के निर्माण, क्षतिग्रस्त शाला भवनों की मरम्मत के साथ-साथ

शिक्षक और स्टाफ के निजी स्वत्वों का भी समय पर हो भुगतान

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने यह भी निर्देश दिए हैं कि शिक्षा विभाग के सभी शिक्षक और स्टाफ के निजी स्वत्वों का भुगतान एवं उनके प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जाना चाहिए। सेवानिवृत्त होने के पश्चात भी किसी शिक्षक या स्टाफ का कोई क्लेम लापरवाही के कारण लंबित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आगामी तीन सप्ताह में अपने-अपने क्षेत्र के प्रकरणों की समीक्षा करें और प्राथमिकता से उनका निराकरण सुनिश्चित करें। निर्धारित अवधि के पश्चात भी अगर किसी का कोई व्यक्तिगत क्लेम लापरवाही के कारण लंबित पाया गया तो संबंधित के विरुद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी।

छात्र-छात्राओं के लिये शौचालय, शाला भवनों में विद्युत और पेयजल व्यवस्था के साथ-साथ शाला भवनों की साफ-सफाई के संबंध में विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि जिले में 39 शाला भवनों में मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही जीर्ण-

शीर्ण 32 भवनों के स्थान पर नवीन शाला भवनों की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने निर्देश दिए हैं कि जिले में सभी शाला भवनों को बेहतर बनाने की दिशा में कार्रवाई की जाए। शाला भवनों में छात्र-छात्राओं के लिये शौचालय, पेयजल व्यवस्था

और विद्युत व्यवस्था को भी चाक-चौबंद बनाया जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले में भ्रमण कर जिन शाला भवनों में मरम्मत की आवश्यकता है, उनमें मरम्मत और जीर्ण-शीर्ण शाला भवनों के स्थान पर नवीन भवन निर्माण की आवश्यकता हो तो उसके प्रस्ताव तैयार करें। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा है कि जिन भवनों में प्राथमिक, माध्यमिक और हाईस्कूल संचालित होते हैं उनमें सभी व्यवस्थाएँ और परीक्षा परिणामों के लिये संस्थान के प्रमुख ही जिम्मेदार रहेंगे। सम्पूर्ण परिसर की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी भी संस्था प्रमुख की ही होगी। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि शाला भवनों

के चारों तरफ सोलर लाइट के प्रस्ताव भी तैयार किए जाएं। सभी शाला भवनों में सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिये फर्नीचर की व्यवस्था भी हो, यह सुनिश्चित किया जाए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने कहा कि पंचायत के माध्यम से जिले के सभी शाला भवनों में साफ-सफाई का विशेष अभियान जिले में संचालित किया जा रहा है। शिक्षा विभाग के अधिकारी और शिक्षक भी पंचायत के साथ समन्वय और सहयोग बनाकर शाला भवनों के साफ-सफाई कार्य को प्राथमिकता से करें और आगे भी शाला भवन साफ-सुथरे बने रहें, इसके सार्थक प्रयास किए जाएं।

सीवर संधारण में लापरवाही पर निगमायुक्त सख्त: अधीक्षण यंत्री को नोटिस

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने शहर की सीवर संधारण व्यवस्था को निगम द्वारा संचालित करने में हो रही देरी और धीमी कार्यवाही पर कड़ा रुख अपनाया है। साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त ने असंतोष जताते हुए अधीक्षण यंत्री (पीएचई) श्री एस.एल. बाथम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुविधा से जुड़ी इस व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जब निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने सीवर संधारण के लिए तैनात किए जाने वाले 321 कर्मचारियों का वार्ड-वार विभाजन और चिन्हित वार्डों में व्यवस्था शुरू करने की रिपोर्ट मांगी, तो अधिकारी स्पष्ट जानकारी नहीं दे सके। अधिकारियों की इस तैयारी पर नाराजगी जताते हुए निगमायुक्त ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई और 1

घंटे के भीतर पूरी जानकारी उपलब्ध कराने का अल्टीमेटम दिया। सीवर संधारण के साथ-साथ बैठक में शहर की पेयजल आपूर्ति की भी समीक्षा की गई। निगमायुक्त ने तिघरा जलाशय में पानी की वर्तमान उपलब्धता तथा विगत वर्षों में जल स्तर की स्थिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, जल प्रदाय और सीवर कार्य में लापरवाही बरतने वाले उपयंत्रियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के प्रस्ताव तैयार करने के आदेश दिए।

निगमायुक्त कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में अधीक्षण यंत्री पीएचई श्री एस.एल. बाथम, कार्यपालन यंत्री श्री महेंद्र प्रसाद अग्रवाल, श्री प्रवीण दीक्षित, श्री शिशिर श्रीवास्तव, सहायक यंत्री श्री रामसेवक शाक्य तथा श्रीमती ज्योति दोहरे सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सफाई कार्य में लापरवाही बरतने एवं बिना सूचना अनुपस्थित रहने वाले 9 कर्मचारियों को नोटिस

ग्वालियर। नगर निगम के सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में शामिल स्वच्छता कार्य में लापरवाही बरतने और बिना बताए अपने कार्यस्थल से गायब रहने पर मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी श्री वैभव श्रीवास्तव ने 9 सफाई कर्मचारियों को नोटिस किया है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी श्री वैभव श्रीवास्तव द्वारा वार्ड क्रमांक 27 में किए गए निरीक्षण के दौरान अनेक कर्मचारी बिना सूचना के क्षेत्र से अनुपस्थित मिले थे। इसके चलते मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी ने सफाई संरक्षक नियमित श्रीमती सोना/श्री भवर, सफाई संरक्षक विनियमित श्रीमती रेखा/राजेश, सफाई संरक्षक विनियमित श्री प्रवीण /श्री प्रेम कुमार, सफाई संरक्षक विनियमित श्री किशन/जीवन लाल, सफाई संरक्षक विनियमित श्री सुभाष/किशन स्वरूप को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही सफाई कार्य में संलग्न आउटसोर्स कर्मचारी श्री सौरभ/श्री प्रकाश, आदि।

पानी की लाइन तोड़ने पर काटा 7 दिन का वेतन कार्य में लापरवाही बरतने पर वेतन वृद्धि रोक दी

ग्वालियर, जीएनएस।

सीवर श्रमिक निविदा कार्य में त्रुटि करने एवं कार्य में लापरवाही बरतने पर दो कर्मचारियों की 1-1 वेतन वृद्धि संचयी प्रभाव से रोक दी गई है। वहीं नाला सफाई कार्य के दौरान पेयजल लाइन को तोड़कर क्षतिग्रस्त करने के मामले में वार्ड हेल्थ ऑफिसर को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है;

नगर निगम में सीवर सफाई कर्मचारियों की भर्ती के लिए निविदा जारी की गई थी। इस निविदा में लिपिक आउट सोर्स

सेल श्री लव बागडे द्वारा त्रुटि कर दी गई। जिसके चलते नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने लव बागडे की एक वेतन वृद्धि संचयी प्रभाव से रोक दी है। इसी प्रकार कार्य में लापरवाही बरतने पर सुश्री लक्ष्मी धवलकर सहायक राजस्व निरीक्षक की 01 वेतन वृद्धि संचयी प्रभाव से रोक दी गई। इसके साथ ही वार्ड 08 अन्तर्गत भगवत सहाय कॉलेज के पीछे पीतांबरा कॉलोनी में श्री गब्बर खरे, विनियमित सफाई संरक्षक वार्ड हेल्थ ऑफिसर वार्ड 08 द्वारा नाला सफाई का कार्य

कराया गया था। नाला सफाई का कार्य कराये जाने के दौरान झलकारी बाई पेयजल पानी की टंकी को भरने वाली मुख्य पेयजल लाइन को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। श्री खरे द्वारा कार्य किये जाने के दौरान भली भाँति रूप से कार्य की मॉनिटरिंग नहीं किये जाने के कारण पेयजल लाइन का पानी दूषित हो गया। इसके चलते नोटिस जारी किया गया, संतोषजनक जवाब नहीं देने पर अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने एक सप्ताह का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं।

रेत के अवैध उत्खनन व भण्डारण में लिप्त पनडुब्बी व लोडल जल

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण के खिलाफ लगातार मुहिम चलाई जा रही है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर गई खनिज विभाग की टीम ने डबरा तहसील के अंतर्गत सिंध नदी के विभिन्न घाटों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम बाबूपुर के अंतर्गत रेत के अवैध खनन में संलग्न एक पनडुब्बी नष्ट की गई। साथ ही एक अन्य पनडुब्बी व लोडर वाहन जब्त किया गया है। प्रभारी खनिज अधिकारी श्री पंकज ध्वज मिश्रा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जब्त पनडुब्बी व लोडर वाहन संबंधित पुलिस थाने की अभिरक्षा में रखे गए हैं। इस अवैध कार्य में लिप्त लोगों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई प्रस्तावित की गई है।

जिले के दो खाद-बीज विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

खाद-बीज भण्डारणों से नमूने लेकर कराई जा रही है प्रयोगशाला में जांच

ग्वालियर, जीएनएस।

किसानों के हितों की सुरक्षा और उन्हें गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा खाद-बीज की दुकानों का लगातार निरीक्षण कराया जा रहा है। साथ ही खाद-

बीज के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जा रही है। नमूने अमानक पाए जाने पर सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। इस कड़ी में धान के बीज अमानक पाए जाने पर जिले के दो खाद-बीज विक्रेताओं के बीज विक्रय लायसेंस निलंबित कर दिए गए हैं।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर लायसेंसिंग अधिकारी (बीज) एवं

उप संचालक किसान कल्याण व कृषि विकास श्री भानुप्रकाश शर्मा द्वारा अलग-अलग आदेश जारी कर यह कार्रवाई की गई है।

उप संचालक कृषि श्री भानु प्रकाश शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार धान बीज (किस्म पी.बी.-1962 टी.एल.) लॉट नं. डूबू 222(26) एवं बीज किस्म (पी.बी.-1692 टी.एल.) लॉट नं. चतहू 920 के नमूने प्रयोगशाला

की जांच में अमानक साबित होने पर महेश कृषि सेवा केन्द्र कल्याणपुर तिराहा कालिंदी रोड पिछोर प्रो. प्रमोद बघेल का बीज विक्रय लायसेंस निलंबित कर दिया गया है। इसी तरह धान बीज (किस्म पी.बी.- 1692 टी.एल.) लॉट नं. डूबू 169201 का नमूना अमानक पाए जाने पर छाया कृषि सेवा केन्द्र कल्याणपुर तिराहा पिछोर प्रो. अरविंद शर्मा का बीज

विक्रय लायसेंस निलंबित किया गया है। प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद इन दोनों फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। इन दोनों के उत्तर प्राप्त न होने पर बीज नियंत्रण आदेश 1983 तथा बीज अधिनियम 1966 के प्रावधानों के तहत लायसेंसिंग अधिकारी बीज सह उप संचालक कृषि द्वारा यह कार्रवाई की गई है।

भिण्ड-गोस्मी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

श्रीजी

Har Khushi Ki Pahali Pasand

SCAN TO SHOP

OUR NEW PRODUCT

100% VEG

श्रमसाधना

संपादकीय

साधारण जीवन में छिपी है असाधारण सुंदरता

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में चमक-दमक, सफलता और दूसरों से आगे निकलने की होड़ को बहुत महत्व दिया जाता है। हर व्यक्ति को खास, अलग और असाधारण बनने की प्रेरणा दी जाती है। ऐसे माहौल में हम अक्सर जीवन की उन छोटी-छोटी खुशियों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो सादगी और सहजता में छिपी होती हैं। जबकि सच यह है कि साधारण जीवन भी अपनी एक अलग सुंदरता और गहराई रखता है। साधारण होने का अर्थ कभी भी महत्वहीन होना नहीं है। परिवार के साथ बैठकर भोजन करना, किसी अपने से मन की बात साझा करना, सुबह की शांत हवा का आनंद लेना, अपनी पसंद की किताब पढ़ना या किसी जरूरतमंद की मदद करना-ये छोटे-छोटे पल जीवन को वास्तविक खुशी देते हैं। कई बार जीवन की सबसे खूबसूरत यादें बड़ी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि इन्हीं साधारण अनुभवों से बनती हैं। सादगी की सबसे बड़ी खूबी उसकी वास्तविकता है। खुश रहने के लिए हमेशा धन, प्रसिद्धि या बड़ी सफलताओं की आवश्यकता नहीं होती। जो व्यक्ति अपने रिश्तों को महत्व देता है, ईमानदारी से जीवन जीता है और छोटी-छोटी चीजों के लिए आभार महसूस करता है, वह भीतर से अधिक संतुष्ट और समृद्ध हो सकता है। इसके विपरीत, केवल दिखावे और दूसरों की प्रशंसा पाने की दौड़ में लगा व्यक्ति कई बार अपनी वास्तविक खुशियों से दूर हो जाता है। आज सोशल मीडिया ने तुलना की प्रवृत्ति को और बढ़ा दिया है। हम दूसरों के जीवन के केवल अच्छे और आकर्षक पलों को देखते हैं, लेकिन उनके संघर्ष, परेशानियों और असफलताओं से अनजान रहते हैं। यही कारण है कि कई लोग अपनी सामान्य जिंदगी को कमतर समझने लगते हैं। हमें यह समझना होगा कि हर व्यक्ति का जीवन अलग है और हर जीवन की अपनी एक सुंदर कहानी होती है। वास्तव में साधारण लोगों के कार्यों में भी असाधारणता छिपी होती है। अपने परिवार के लिए त्याग करने वाले माता-पिता, बच्चों को बेहतर भविष्य देने के लिए मेहनत करने वाले शिक्षक, ईमानदारी से जिम्मेदारी निभाने वाले कर्मचारी और बिना किसी प्रसिद्धि की इच्छा के समाज की सेवा करने वाले लोग हमें बताते हैं कि महानता केवल बड़े मंचों पर दिखाई देने वाली उपलब्धियों में नहीं होती। सच्ची महानता छोटे-छोटे अच्छे कार्यों में भी मौजूद रहती है। सादगी मन को शांति प्रदान करती है। जब हम हर समय दूसरों को प्रभावित करने की कोशिश छोड़ देते हैं, तब हम स्वयं को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। हम अपने पास मौजूद चीजों की कद्र करना सीखते हैं और जीवन को अधिक सकारात्मक नजरिए से देखने लगते हैं। संतोष का अर्थ यह नहीं कि हम अपने सपनों को छोड़ दें, बल्कि इसका अर्थ है कि अपनी मेहनत जारी रखते हुए वर्तमान जीवन की खुशियों को भी महसूस करें। एक सफल और सार्थक जीवन केवल उपलब्धियों से नहीं बनता। अच्छे संबंध, दया, संवेदनशीलता और मन की शांति भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। कई बार जिन छोटे पलों को हम साधारण समझकर अनदेखा कर देते हैं, वही समय के साथ हमारी सबसे अनमोल यादें बन जाते हैं। जीवन की वास्तविक सुंदरता इस बात में नहीं है कि हम दुनिया की नजरों में कितने खास दिखाई देते हैं, बल्कि इस बात में है कि हम अपने जीवन को कितनी ईमानदारी, प्रेम और संतोष के साथ जीते हैं।

प्रांतीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रांतीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रांतीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

परिचित भाषा में मजबूत नींव, बहुभाषिकता से व्यापक अवसर

मातृभाषा : शिक्षा की पहली सीढ़ी

डॉ. विजय

शिक्षा की शुरुआत केवल अक्षर ज्ञान से नहीं, बल्कि समझ से होती है। किसी बच्चे के लिए गणित का सवाल हल करना हो, विज्ञान की अवधारणा समझनी हो या किसी कहानी के भाव को आत्मसात करना हो, सबसे पहले जरूरी है कि वह उस भाषा को सहजता से समझे, जिसमें उसे ज्ञान दिया जा रहा है। करोड़ों भारतीय बच्चों के लिए यह भाषा उनकी मातृभाषा या घर में बोली जाने वाली भाषा होती है। यही भाषा उनके परिवार, भावनाओं, रिश्तों और रोजमर्रा के अनुभवों से जुड़ी होती है। इसलिए प्रारंभिक शिक्षा में मातृभाषा को महत्व देना बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को सहज और प्रभावी बना सकता है।

सीखने की शुरुआत परिचित भाषा से : छोटा बच्चा किसी भाषा को व्याकरण के नियम रटकर नहीं सीखता। वह अपने माता-पिता, परिवार और आसपास के लोगों को सुनते हुए, बातचीत करते हुए और अपने अनुभवों को व्यक्त करते हुए भाषा को स्वाभाविक रूप से आत्मसात करता है। यही कारण है कि मातृभाषा बच्चे के अनुभवों और उसकी सोच से गहराई से जुड़ी होती है।

जब प्रारंभिक शिक्षा ऐसी भाषा में होती है जिसे बच्चा पहले से समझता है, तो वह कक्षा में अधिक सहज होकर भाग लेता है। वह प्रश्न पूछने में संकोच

नहीं करता, अपने विचार खुलकर व्यक्त करता है और पढ़ाई में बताई गई अवधारणाओं को अपने आसपास की दुनिया से जोड़ पाता है।

परिचित भाषा शिक्षा को केवल पाठ याद करने की प्रक्रिया नहीं रहने देती, बल्कि उसे खोज, जिज्ञासा और समझ की प्रक्रिया में बदल देती है।

रटने के बजाय समझ पर जोर हमारी शिक्षा व्यवस्था की एक बड़ी चुनौती यह रही है कि कई बार विद्यार्थी किसी उत्तर या परिभाषा को याद कर लेते हैं, लेकिन उसके पीछे छिपी अवधारणा को पूरी तरह समझ नहीं पाते। भाषा की कठिनाई इस समस्या को और बढ़ा सकती है।

यदि बच्चे को शिक्षा की भाषा समझने में ही अधिक मेहनत करनी पड़ रही है, तो उसका ध्यान विषय को समझने के बजाय शब्दों का अर्थ पकड़ने में लग जाता है। परिणामस्वरूप रटने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है और विद्यार्थी प्रश्न पूछने से भी हिचक सकता है।

इसके विपरीत, जब कठिन अवधारणाओं को पहले परिचित भाषा में समझाया जाता है, तो बच्चे का ध्यान इस प्रश्न पर केंद्रित होता है कि +मुझे क्या याद करना है?+ के बजाय +इसका अर्थ क्या है और यह कैसे काम करता है?+

यही बदलाव वास्तविक शिक्षा की

नींव तैयार करता है।

मातृभाषा से बढ़ता है आत्मविश्वास : भाषा और आत्मविश्वास का गहरा संबंध है। जो बच्चा अपनी बात सहजता से कह सकता है, वह कक्षा की चर्चाओं में भाग लेने, सवाल पूछने और अपनी राय रखने के लिए अधिक तैयार रहता है।

कई बार ऐसा भी होता है कि बच्चा किसी विषय को अच्छी तरह समझता है, लेकिन दूसरी भाषा में अपनी बात ठीक से व्यक्त नहीं कर पाता। ऐसे में उसकी वास्तविक क्षमता सामने नहीं आ पाती। समस्या उसकी बुद्धिमत्ता की नहीं, बल्कि भाषाई झिझक की होती है।

इसलिए विशेष रूप से प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों को ऐसी भाषा में सोचने, बोलने और चर्चा करने के पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए, जिसमें वे सहज महसूस करते हों।

स्कूल और परिवार के बीच सेतु : शिक्षा तब अधिक प्रभावी होती है, जब स्कूल में पढ़ाई जाने वाली बातों का संबंध बच्चे के घर और आसपास के जीवन से जुड़ता है।

यदि माता-पिता विद्यालय में इस्तेमाल होने वाली भाषा को समझते हैं, तो वे बच्चों की पढ़ाई में अधिक प्रभावी ढंग से सहयोग कर सकते हैं। वे पाठ पर बातचीत कर सकते हैं, रोजमर्रा के उदाहरण दे सकते हैं, पढ़ने के लिए

प्रेरित कर सकते हैं और गृहकार्य में सहायता कर सकते हैं।

विशेष रूप से उन परिवारों में, जहां माता-पिता औपचारिक शिक्षा की भाषा से बहुत परिचित नहीं हैं, मातृभाषा स्कूल और घर के बीच की दूरी को कम कर सकती है।

इस अर्थ में मातृभाषा केवल बच्चे के लिए सीखने का माध्यम नहीं, बल्कि परिवार की शैक्षिक भागीदारी का माध्यम भी बन सकती है।

स्थानीय ज्ञान को शिक्षा से जोड़ना : हर भाषा अपने भीतर केवल शब्द नहीं रखती। उसमें किसी समाज की कहानियाँ, लोक परंपराएँ, इतिहास, कहावतें, अनुभव और पीढ़ियों से संचित ज्ञान भी मौजूद रहता है।

कृषि, पर्यावरण, मौसम, स्थानीय वनस्पतियों, हस्तशिल्प, लोककला और सामुदायिक जीवन से जुड़ा बहुत-सा ज्ञान स्थानीय भाषाओं में सुरक्षित है। जब शिक्षा इन भाषाओं और अनुभवों को सम्मान देती है, तो विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम और वास्तविक जीवन के बीच संबंध स्थापित करना आसान हो जाता है।

उदाहरण के लिए, पर्यावरण विज्ञान पढ़ते समय स्थानीय नदी, जंगल, फसल, मिट्टी, वर्षा और क्षेत्र की पर्यावरणीय समस्याओं का उदाहरण दिया जाए तो विद्यार्थी विषय को अपने जीवन से जोड़कर अधिक गहराई से समझ सकता है।

बाजार में लोकप्रियता से आगे बढ़कर खेत तक पहुंचनी चाहिए समृद्धि

मिलेट्स की बढ़ती मांग के बीच किसानों का हिस्सा कितना बढ़ा?

मिलेट्स यानी मोटे अनाज आज भारतीय भोजन की थाली में एक बार फिर अपनी जगह बना रहे हैं। कभी इन्हें गरीब और ग्रामीण परिवारों का साधारण अनाज माना जाता था, लेकिन अब यही मिलेट्स स्वास्थ्य, पोषण और टिकाऊ कृषि के प्रतीक के रूप में पहचाने जा रहे हैं। बाजरा, ज्वार, रागी, कंगनी, कुटकी जैसे अनाजों की मांग शहरों में बढ़ रही है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ता, खाद्य कंपनियाँ, रेस्तराँ और बाजार भी इनके नए-नए उत्पाद सामने ला रहे हैं।

लेकिन इस पूरी तस्वीर का एक महत्वपूर्ण पहलू अभी भी चर्चा की मांग करता है—मिलेट्स की लोकप्रियता बढ़ रही है, लेकिन क्या इनका उत्पादन करने वाले किसानों की आय भी उसी अनुपात में बढ़ रही है?

यही सवाल मिलेट आधारित अर्थव्यवस्था की वास्तविक सफलता को परिभाषित करेगा।

किसान मूल्य श्रृंखला की शुरुआत में, लाभ के अंत में क्यों?

खेत से निकलने वाला मिलेट जब शहर के बाजार तक पहुंचता है तो उसकी कीमत कई गुना बढ़ सकती है। इसके पीछे सफाई, ग्रेडिंग, भंडारण, परिवहन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, विज्ञापन और खुदरा बिक्री जैसे कई चरण होते हैं।

इन सभी प्रक्रियाओं में उत्पाद का मूल्य बढ़ता है, लेकिन किसान की हिस्सेदारी अक्सर सीमित ही रहती है।

यही विरोधाभास मिलेट अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौती है। किसान पूरी मूल्य श्रृंखला की शुरुआत करता है, लेकिन अंतिम कीमत और बाजार पर उसका नियंत्रण सबसे कम

होता है। यदि मिलेट का बाजार लगातार विस्तार कर रहा है, तो इस विस्तार का सबसे बड़ा लाभ उस किसान तक क्यों नहीं पहुंचना चाहिए, जो इसकी नींव तैयार करता है?

अधिक उत्पादन ही पर्याप्त नहीं किसानों को मिलेट की खेती के लिए प्रोत्साहित करना अच्छी शुरुआत है, लेकिन केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। इसके साथ भरोसेमंद बाजार, उचित मूल्य और खरीद की सुनिश्चित व्यवस्था भी जरूरी है।

यदि किसान अधिक मिलेट पैदा करता है, लेकिन फसल बेचने के समय उसे उचित कीमत नहीं मिलती, तो उत्पादन बढ़ने के बावजूद उसकी आय नहीं बढ़ेगी।

इसलिए मिलेट मिशन को केवल खेत तक सीमित रखने के बजाय बाजार तक ले जाना होगा। स्थानीय खरीद केंद्र, वैज्ञानिक भंडारण, प्रसंस्करण इकाइयाँ और पारदर्शी बाजार व्यवस्था विकसित करनी होगी।

किसान को अपनी उपज बेचने के लिए केवल बिचौलियों पर निर्भर रहने की स्थिति से बाहर निकालना जरूरी है।

मूल्य संवर्धन में छिपा बड़ा अवसर

मिलेट्स की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी संभावनाओं में से एक मूल्य संवर्धन की है।

कच्चे बाजरे या रागी की तुलना में जब उसी अनाज से आटा, दलिया, नाश्ते के उत्पाद, बिस्कुट, स्नेक्स या अन्य खाद्य पदार्थ तैयार होते हैं, तो उसका बाजार मूल्य काफी बढ़ जाता है।

ऐसे में सवाल उठता है कि किसान केवल कच्चा माल पैदा करने तक ही क्यों सीमित रहे?

किसान उत्पादक संगठन, सहकारी समितियाँ और ग्रामीण उद्यम मिलकर सफाई, ग्रेडिंग, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। इससे उत्पादन और बाजार के बीच की दूरी कम होगी और किसान को अंतिम उत्पाद के मूल्य में अधिक हिस्सेदारी मिल सकेगी।

गांव में ही बनें प्रसंस्करण केंद्र मिलेट्स के लिए स्थानीय प्रसंस्करण इकाइयाँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकती हैं। यदि किसान के गांव या उसके आसपास ही सफाई, ग्रेडिंग और पैकेजिंग की सुविधा उपलब्ध हो, तो परिवहन लागत कम होगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

विशेष रूप से महिला स्वयं सहायता समूह इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे मिलेट से तैयार खाद्य पदार्थों का उत्पादन, पैकेजिंग और स्थानीय बाजार में बिक्री कर अतिरिक्त आय का साधन बना सकती हैं।

इस तरह मिलेट केवल किसान की फसल नहीं, बल्कि पूरे गांव की आर्थिक गतिविधि बन सकता है।

पारंपरिक फसल को चाहिए आधुनिक बाजार

मिलेट्स हमारी पारंपरिक कृषि का हिस्सा रहे हैं, लेकिन आज उनके भविष्य का निर्धारण आधुनिक बाजार करेगा।

आज का उपभोक्ता केवल यह नहीं देखता कि कोई खाद्य पदार्थ पौष्टिक है। वह स्वाद, गुणवत्ता, कीमत, पैकेजिंग, सुविधा और आसानी से उपलब्धता को भी महत्व देता है।

इसलिए मिलेट्स को लोकप्रिय बनाने के लिए केवल प्रचार अभियान पर्याप्त नहीं होंगे। उन्हें आधुनिक खाद्य उत्पादों के रूप में विकसित करना होगा।

पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक खाद्य तकनीक, बेहतर पैकेजिंग और प्रभावी विपणन से जोड़ना होगा।

जलवायु के लिए अनुकूल, किसान के लिए भी लाभदायक हो

मिलेट्स को कम पानी में उगने और कठिन जलवायु परिस्थितियों में टिके रहने वाली फसलों के रूप में महत्वपूर्ण माना जाता है। बदलती जलवायु और पानी की बढ़ती चुनौती के बीच इनकी भूमिका और महत्वपूर्ण हो सकती है।

लेकिन जलवायु संरक्षण का पूरा भार किसान के कंधों पर नहीं डाला जा सकता। यदि समाज और सरकार चाहती है कि किसान ऐसी फसलें उगाएं जो कम पानी में भी उत्पादन दें और पर्यावरण के लिए बेहतर हों, तो किसान को भी उसका आर्थिक लाभ मिलना चाहिए। टिकाऊ कृषि तभी सफल होगी, जब किसान की आजीविका भी टिकाऊ होगी।

उपभोक्ता बदल सकते हैं बाजार की दिशा

मिलेट अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। जब लोग मिलेट से बने उत्पाद खरीदते हैं, तो वे इस बाजार की मांग बढ़ाते हैं।

लेकिन उपभोक्ता केवल उत्पाद की गुणवत्ता और कीमत तक सीमित न रहें। उन्हें यह सवाल भी पूछना चाहिए कि यह उत्पाद कहाँ से आया है और इसकी कीमत में किसान की हिस्सेदारी कितनी है।

पिछोर में अवैध प्रतिमा स्थापना बनी विवाद की जड़, हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद चौराहों पर लग रही महापुरुषों की मूर्तियां

पिछोर, शिवपुरी।

पिछोर विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों महापुरुषों की मूर्तियां लगाने की होड़ विवाद और तनाव का बड़ा कारण बनती जा रही है। चौराहों, सड़क किनारे और शासकीय जमीन पर बिना अनुमति के रातों-रात महापुरुषों की मूर्तियां स्थापित कर दी जा रही हैं। प्रशासन की गाइडलाइन और हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद यह परंपरा थमने का नाम नहीं ले रही है। हालात यह हैं कि बगैर छत, बगैर सुरक्षा और बगैर सौंदर्यीकरण के लगाई गई ये मूर्तियां कुछ ही दिनों में क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, और फिर उसी को महापुरुषों का अपमान बताकर दो पक्षों में विवाद, नारेबाजी और लड़ाई-झगड़े की स्थिति बन जाती है।

पिछोर क्षेत्र में पिछले एक साल में ही एक दर्जन से अधिक स्थानों पर इस तरह की अवैध स्थापनाएं हुई हैं। कहीं अंबेडकर जी की, कहीं महाराणा प्रताप की, तो कहीं बिरसा मुंडा और अन्य

महापुरुषों की मूर्ति बिना किसी ठोस आधार के रख दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि मूर्ति स्थापना के पीछे श्रद्धा कम और वर्चस्व की राजनीति ज्यादा है। हर समाज, हर संगठन अपने महापुरुष की मूर्ति को चौराहे पर स्थापित कर अपना दबदबा दिखाना चाहता है। क्या है हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का आदेश?

यह मामला सिर्फ पिछोर का नहीं है। पूरे मध्यप्रदेश में यह समस्या विकराल है। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट और मध्यप्रदेश हाईकोर्ट कई बार सख्त आदेश दे चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 18 जनवरी 2013 को ही आदेश दिया था कि सार्वजनिक सड़क, चौराहे, फुटपाथ और सार्वजनिक उपयोगिता की जमीन पर किसी भी तरह की मूर्ति या धार्मिक ढांचा नहीं लगाया जाएगा। इसी को आधार बनाते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर ने भी आदेश दिया था कि 18 जनवरी 2013 के बाद लगी

सभी प्रतिमाओं को हटाया जाए।

इसके बाद हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने उज्जैन के माकड़ोन निवासी राजेश कुमार की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य सचिव और सभी विभागों के प्रमुख सचिवों को निर्देश दिया था कि चौराहों और सड़कों पर महापुरुषों की प्रतिमाएं लगाने से ट्रैफिक प्रभावित होता है और कानून-व्यवस्था बिगड़ती है, इसलिए पूर्व आदेश का सख्ती से पालन करवाया जाए। 2022 में भी हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि कहीं भी महापुरुषों की प्रतिमा लगाने पर रोक है और इसका पालन सख्ती से किया जाए। बावजूद इसके जमीनी स्तर पर आदेश का पालन नहीं हो रहा है।

प्रशासन की गाइडलाइन क्या कहती है?

जिला प्रशासन की गाइडलाइन के अनुसार यदि कोई भी संगठन या समाज महापुरुष की मूर्ति स्थापित करना चाहता है तो उसे एक तय प्रक्रिया से गुजरना

होता है।

कलेक्टर कार्यालय में विधिवत आवेदन देना होगा।

संबंधित जमीन का भू-स्वामित्व प्रमाण, राजस्व विभाग की एनओसी। नगर परिषद/पंचायत, लोक निर्माण विभाग, पुलिस और यातायात विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र।

मूर्ति की ऊंचाई, डिजाइन, प्लेटफार्म की मजबूती और सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव।

खरखवा और सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा, इसका शपथ पत्र। यदि इन नियमों का पालन करके मूर्ति लगाई जाए तो न तो अतिक्रमण का विवाद होगा, न ही ट्रैफिक बाधित होगा और न ही मूर्ति क्षतिग्रस्त होगी। प्रशासन को भी आपत्ति नहीं रहेगी। लेकिन पिछोर में 90 प्रतिशत मूर्तियां इन्हीं नियमों को ताक पर रखकर लगाई जा रही हैं।

अपमान कौन कर रहा है?

सबसे बड़ा सवाल यही है। बिना शेड की मूर्ति, धूप, बारिश में

रंग उड़ जाता है। कई जगह मूर्ति इतनी छोटी जगह पर लगा दी जाती है कि वाहन से टकराकर खंडित हो जाती है। आवारा पशु, अव्यवस्था के कारण मूर्ति के आसपास गंदगी जमा हो जाती है। जब मूर्ति क्षतिग्रस्त होती है, तो उसी समाज के लोग दूसरे समाज पर अपमान का आरोप लगाकर थाने का घेराव, चक्काजाम और विरोध प्रदर्शन शुरू कर देते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता रानू परिहार कहते हैं, 'महापुरुषों का सम्मान उनके विचारों को अपनाने में है, चौराहे पर कब्जा करने में नहीं। यदि आप सम्मान ही करना चाहते हैं तो नियम से परमिशन लीजिए, सुंदर पार्क बनाइए, छत लगाइए, माला-सफाई की व्यवस्था कीजिए। अवैध तरीके से रखकर खुद ही अपमान की स्थिति पैदा कर रहे हैं।'

क्या कहता है प्रशासन?

इस संबंध में पिछोर एसडीएम कार्यालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कई बार समझाइश दी गई है।

अवैध मूर्तियों की लिस्ट भी बनाई जा रही है। हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। लेकिन राजनीतिक दबाव और सामाजिक तनाव के डर से प्रशासन खुलकर कार्रवाई करने से बचता है। जरूरत इस बात की है कि जिला प्रशासन मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के आदेश का पालन करते हुए एक स्पष्ट निर्देश जारी करे कि बिना अनुमति मूर्ति लगाने वालों पर कठोर वैधानिक कार्रवाई होगी, एफआईआर दर्ज होगी और मूर्ति को हटाया जाएगा। इसके लिए सोलापुर जिले की तरह कलेक्टर द्वारा धारा के तहत स्पष्ट आदेश जारी किया जाना चाहिए कि मूर्ति स्थापना अब केवल कानूनी प्रक्रिया से ही होगी। यदि प्रशासन अभी नहीं जागा तो पिछोर विधानसभा में यह छोटा-सा विवाद किसी बड़े जातीय संघर्ष का रूप ले सकता है। महापुरुषों के नाम पर राजनीति बंद हो, उनके सम्मान के लिए नियम से काम हो, यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आंगनबाड़ी सहायिका नियुक्ति पर घमासान! बीपीएल कार्ड और अंकसूची को लेकर गंभीर आरोप, कलेक्टर से जांच की मांग

मुरैना/पोरसा। पोरसा तहसील के ग्राम खरगपुरा रजौधा में आंगनबाड़ी सहायिका की नियुक्ति को लेकर विवाद सामने आया है। ग्राम निवासी सोनम पुत्री राजवीर सिंह जाटव ने कलेक्टर मुरैना को आवेदन देकर वर्तमान में नियुक्त सहायिका नीतू अर्गल पत्नी हेमन्त सिंह की नियुक्ति निरस्त करने तथा अपनी शैक्षणिक योग्यता एवं अंकों के आधार पर नियुक्ति दिए जाने की मांग की है। आवेदन में सोनम ने आरोप लगाया है कि नीतू अर्गल द्वारा कथित रूप से अपात्र होने के बावजूद बीपीएल कार्ड का लाभ लिया गया। शिकायतकर्ता का दावा है कि जांच के बाद नीतू अर्गल का बीपीएल कार्ड निरस्त किया जा चुका है। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि नीतू के पास चार पहिया वाहन, कृषि भूमि और पक्का मकान होने के बावजूद बीपीएल कार्ड का लाभ लिया गया था।

निःशुल्क मेगा हेल्थ चेक-अप कैंप, विशेषज्ञ डॉक्टर देंगे स्वास्थ्य संबंधी परामर्श

मुरैना में रोटरी क्लब चंबल एवं शारदा हॉस्पिटल के संयुक्त सहयोग से रविवार, 23 अगस्त 2026 को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक गवर्नमेंट एक्सिलेंस हायर सेकेंडरी स्कूल नंबर-1, एम.एस. रोड, मुरैना (म.प्र.) में निःशुल्क मेगा हेल्थ चेक-अप कैंप आयोजित किया जा रहा है। कैंप में विभिन्न गंभीर एवं सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं की विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच, परामर्श एवं आवश्यक उपचार संबंधी मार्गदर्शन दिया जाएगा। कैंप में डॉ. अनिल ठकवानी (क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी) द्वारा कैंसर से संबंधित बीमारी की जांच, उपचार एवं आगे की चिकित्सा के लिए मार्गदर्शन, डॉ. हेमकांत वर्मा (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) द्वारा कैंसर के सर्जिकल उपचार एवं ऑपरेशन संबंधी परामर्श, डॉ. अनिल शर्मा एवं डॉ. अहमद कमाल (किडनी ट्रांसप्लांट) द्वारा किडनी रोग एवं किडनी ट्रांसप्लांट से

संबंधित परामर्श, डॉ. कृणाल गांधी (नेफ्रोलॉजी) द्वारा किडनी की बीमारी, डायलिसिस एवं संबंधित समस्याओं की जांच व उपचार संबंधी सलाह, डॉ. प्रवीण रमन मिश्रा (कार्डियक सर्जरी) द्वारा हृदय रोग एवं हृदय सर्जरी से संबंधित परामर्श तथा डॉ. विजय गुर्जर (जेरियाट्रिक मेडिसिन) द्वारा बुजुर्गों में होने वाली विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया जाएगा। कैंप में रैंडम ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, ईसीजी, बोन डेंसिटी, न्यूरोपैथी टेस्ट एवं पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट जैसी निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परीक्षण भी किए जाएंगे। विशेषज्ञ डॉक्टरों के परामर्श एवं जांच के बाद आवश्यकतानुसार मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया जाएगा, जिससे मरीजों को जांच, विशेषज्ञ परामर्श एवं आवश्यक दवाइयों एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकें।

डॉ.अशोक राय ने सांसद मनोज तिवारी के वाराणसी आगमन पर अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया स्वागत

वाराणसी, जीएनएस। वाराणसी आगमन पर भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद का लक्ष्मी हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक एवं भाजपा काशी क्षेत्र चिकित्सा प्रकोष्ठ के क्षेत्र संयोजक डॉ. अशोक राय ने आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया 7 इस अवसर पर डॉ. अशोक राय ने सांसद मनोज तिवारी को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका सम्मान किया 7 इस दौरान डॉ.अशोक राय एवं सांसद मनोज तिवारी के बीच विभिन्न सामाजिक एवं जनसेवा से जुड़े विषयों को लेकर आत्मीय संवाद भी हुआ 7 डॉ. अशोक राय ने कहा कि मनोज तिवारी का व य ि त्त व कला,संस्कृति,समाजसेवा एवं जनप्रतिनिधित्व के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है 7 उनके



वाराणसी आगमन से कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

डॉ.अशोक राय ने कहा कि वाराणसी देश की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक राजधानी है और यहां आने वाले प्रत्येक अतिथि का काशी की परंपरा के अनुरूप सम्मान करना हम सभी के लिए गौरव का विषय है 7 उन्होंने

सांसद मनोज तिवारी के स्वस्थ,सुखद एवं सफल जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक एवं सामाजिक भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं 7 सांसद मनोज तिवारी ने भी डॉ.अशोक राय द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत एवं सम्मान के प्रति आभार व्यक्त किया 7 उन्होंने काशी की समृद्ध परंपरा,संस्कृति एवं आध्यात्मिक विरासत की सराहना करते हुए वाराणसी के प्रति अपने विशेष लगाव को व्यक्त किया। इस अवसर पर सुनील सिंह,अमित,अतुल सिंह,प्रभुनाथ राय 'दाढ़ी' एवं राहुल तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग एवं शुभचिंतक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे 7 मुलाकात के दौरान सभी ने सांसद मनोज तिवारी का स्वागत करते हुए उनके साथ आत्मीयता से संवाद किया।

कैंसर से जूझ रही रामवती केवट के इलाज के लिए उमड़ा मदद का सैलाब, दिनारा क्षेत्र के दानदाताओं ने जुटाए 20 हजार

करैरा, शिवपुरी।

कहते हैं मानवता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। इस कहावत को सच कर दिखाया है दिनारा अंचल सहित आसपास के क्षेत्रों के समाजसेवी और आम नागरिकों ने। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही श्रीमती रामवती केवट, धर्मपत्नी श्री लल्ला केवट के इलाज के लिए लोगों ने दिल खोलकर सहयोग किया और मानवता का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया।

पीड़ित परिवार द्वारा जारी आभार संदेश और प्राप्त जानकारी के अनुसार, लल्ला केवट जी की धर्मपत्नी श्रीमती रामवती केवट

पिछले काफी समय से कैंसर (एक गंभीर बीमारी) से पीड़ित हैं। गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाले लल्ला केवट के लिए पत्नी के इलाज का खर्च उठाना बेहद कठिन हो रहा था। इलाज में लाखों रुपये का खर्च होना था, जिससे परिवार आर्थिक संकट में आ गया था।

परिवार की इस कठिन परिस्थिति की जानकारी जब सामाजिक माध्यमों और स्थानीय लोगों के जरिए लोगों तक पहुंची, तो मदद के लिए कई हाथ आगे आए। देखते ही देखते सहयोग की एक श्रृंखला बन गई। लोगों ने 100 रुपये से लेकर 1100 रुपये तक अपनी श्रद्धा और क्षमता

अनुसार सहयोग प्रदान किया।

कुल मिलाकर लगभग 20,000 रुपये की सहयोग राशि एकत्रित हुई है, जिसमें कई गुप्त दानदाताओं का भी विशेष योगदान रहा है। यह राशि भले ही इलाज के कुल खर्च के सामने छोटी हो, लेकिन इस कठिन समय में यह परिवार के लिए उम्मीद, हौसला और संबल बनकर सामने आई है।

इन दानदाताओं ने दिया सहयोग: इस नेक कार्य में सहयोग करने वालों में प्रमुख रूप से श्री भोला महाराज ने 1000 रुपये, श्री रामकुमार झा कुमारआ वाले ने 500 रुपये, श्री नितिन गुप्ता खोड वाले ने 500 रुपये, श्री कुलदीप

राजावत जी शिवपुरी ने 500 रुपये, श्री रोहित यादव सुजवाहा ने 100 रुपये, श्री अमित नगरिया जी ने 500 रुपये, श्री देवेन्द्र परमार रक्सा ने 500 रुपये, श्री संतोष गुप्ता उडगुआ वाले ने 400 रुपये, श्री पुष्पेंद्र जाटव ढांड ने 100 रुपये, श्री कुलदीप जाटव ने 100 रुपये, श्री चंद्रशेखर यादव बबलू भैया चंदवारा ने 500 रुपये, श्री निर्मल सक्सेना जी सिंगदुआ ने 500 रुपये, श्री मंगल सिंह परमार दाऊ ने 1000 रुपये, श्री बृजेश यादव पटवारी ने 1100 रुपये, श्री आकाश मिश्रा जी ढांड ने 500 रुपये, श्री संतोष लोधी राजपूत ढावा ने 200 रुपये, श्री बल्लू

कठिल ने 1000 रुपये, श्री टिंकू जाटव दबरदेही ने 100 रुपये, एड. श्री जितेंद्र मांझी ने 100 रुपये, श्री मोहित राजपूत ने 100 रुपये, श्री दिनेश संस्कारी गुरु जी ने 500 रुपये, श्री विनोद कुशवाहा भोले छट्ट ने 200 रुपये, श्री उमेश खटीक ने 200 रुपये, श्री साहब सिंह पाल ने 200 रुपये, श्री मनोज यादव फुटापुरा ने 500 रुपये, श्री शैलेंद्र शुक्ला जी ने 500 रुपये, श्री अरुण यादव सेवड़ी वाले ने 100 रुपये, श्री इंतजार खान लल्ला ने 100 रुपये, श्री अमित वर्मा कांग्रेस पार्टी करैरा ने 500 रुपये, श्री गणेश ठेकेदार ने 500 रुपये, श्री जीतू पुरोहित महाराज ने 500

रुपये, श्री केशव (सच्चू) मिश्रा जी स्त्र पुलिस ने 500 रुपये, श्री सादिक खान ने 500 रुपये, श्री अवधेश राय ने 500 रुपये और श्री भानु पटवारी ने 1100 रुपये का सहयोग प्रदान किया है।

इनके अलावा कई गुप्त दानदाताओं ने भी बड़-चढ़कर सहयोग किया है, जो नाम नहीं प्रकाशित करना चाहते, उनका भी परिवार हृदय से आभार व्यक्त करता है। श्री लाला केवट एवं समस्त परिवार ने सभी सहयोगकर्ताओं का हृदय से आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया है। परिवार की ओर से जारी संदेश में कहा गया है।

अमेरिकी राजदूत का बयान भारत के लिए कूटनीतिक उपलब्धि, पाकिस्तान के लिए बड़ी चिंता

कश्मीर पर अमेरिका के बदले रुख के संकेत

प्रमोद भार्गव

जम्मू-कश्मीर को लेकर अमेरिकी रुख में बदलाव के संकेतों ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर की जम्मू-कश्मीर यात्रा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद कश्मीर को भारत का अभिन्न एवं महत्वपूर्ण भू-भाग बताना सामान्य राजनयिक टिप्पणी से कहीं अधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है। खासकर इसलिए कि अमेरिका लंबे समय से कश्मीर को भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय विषय के रूप में देखता रहा है।

यदि अमेरिकी राजदूत का यह बयान वाशिंगटन की व्यापक नीति में बदलाव का संकेत है, तो भारत के लिए यह महत्वपूर्ण कूटनीतिक सफलता होगी। पाकिस्तान के लिए यह इसलिए झटका है, क्योंकि वह लंबे समय से कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंच पर विवादित क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश करता रहा है। ऐसे में भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के समर्थन में अमेरिकी प्रतिनिधि का स्पष्ट बयान पाकिस्तान की कूटनीतिक कोशिशों को कमजोर करता है।

370 के बाद बदला सुरक्षा परिदृश्य : अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया। सुरक्षा के मोर्चे पर भी पत्थरबाजी और हिंसक घटनाओं में कमी देखने को मिली।

हालांकि आतंकवाद की चुनौती पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। पहलगांम सहित समय-समय पर हुए आतंकी हमले इस बात की याद दिलाते हैं कि सीमा पार से संचालित आतंकवादी नेटवर्क अभी भी चुनौती बने हुए हैं।

अमेरिका ने जम्मू-कश्मीर के संबंध में अपने नागरिकों के लिए यात्रा संबंधी चेतावनी जारी कर रखी है। राजदूत गोर की यात्रा के बावजूद इस चेतावनी में तत्काल बदलाव नहीं हुआ है। इसलिए अमेरिकी रुख में बदलाव का आकलन केवल एक बयान के आधार पर करने के बजाय आने वाले समय में अमेरिकी सरकार के आधिकारिक फैसलों और नीतिगत कदमों के आधार पर करना ज्यादा उचित होगा।

फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि अमेरिकी राजदूत ने कश्मीर की धरती पर भारत की स्थिति के समर्थन में टिप्पणी की। यह उस समय हुआ है जब अमेरिका दक्षिण एशिया में भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ अपने रणनीतिक हित साध रहा है। इसलिए गोर की यात्रा और उनका बयान क्षेत्रीय कूटनीति के बदलते समीकरणों की ओर संकेत करता है।

पाकिस्तान की रणनीति को लगा झटका : पाकिस्तान पिछले कई दशकों से कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने की कोशिश करता रहा है। सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देकर उसने जम्मू-कश्मीर में अस्थिरता पैदा करने की रणनीति अपनाई। भारत ने इसके जवाब में सुरक्षा कार्रवाई के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी



पाकिस्तान को घेरने की नीति अपनाई है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति को और स्पष्ट किया। संदेश साफ है कि सीमा पार से होने वाले आतंकी हमलों का जवाब केवल कूटनीतिक विरोध तक सीमित नहीं रहेगा। आतंकवादी ढांचे के खिलाफ कार्रवाई के साथ आतंकवाद को संरक्षण देने वालों पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाना भी भारत की रणनीति का हिस्सा है।

अमेरिका यदि कश्मीर के सवाल पर भारत की संप्रभुता को स्पष्ट समर्थन देता है और आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान पर दबाव बढ़ाता है, तो इसका असर पूरे दक्षिण एशिया की रणनीतिक राजनीति पर पड़ सकता है।

उमर अब्दुल्ला के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश : अमेरिकी राजदूत का बयान जम्मू-कश्मीर की आंतरिक राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी पार्टी लंबे समय से अनुच्छेद 370 की बहाली तथा जम्मू-कश्मीर को पूर्ण

राज्य का दर्जा देने की मांग करते रहे हैं। ऐसे समय में अमेरिकी राजदूत का कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा बताना एक अलग तरह का राजनीतिक संदेश देता है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में किसी राजदूत के बयान को किसी राजनीतिक दल या सरकार की नीतिगत मांग के समर्थन या विरोध के रूप में सीधे देखना उचित नहीं होगा। लेकिन इतना जरूर है कि कश्मीर के संवैधानिक दर्जे को लेकर भारत का आधिकारिक रुख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहले से अधिक स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

आतंकवाद पर निर्णायक कार्रवाई जरूरी : कश्मीर में स्थायी शांति की सबसे बड़ी बाधाओं में सीमा पार आतंकवाद अब भी प्रमुख है। आतंकी संगठनों के नेटवर्क, घुसपैठ, हथियारों और वित्तीय सहायता की आपूर्ति को रोकना जरूरी है। केवल सीमा पार सुरक्षा बढ़ाने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं होगा। आतंकवाद की पूरी पारिस्थितिकी पर प्रहार करना होगा।

भारत को सैन्य कार्रवाई के

साथ कूटनीतिक मोर्चे पर भी अपनी रणनीति मजबूत करनी होगी। आतंकवाद को समर्थन देने वाले देशों और संगठनों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग जुटाना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। अमेरिका, रूस, जापान और अन्य प्रमुख देशों का आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा होना इस रणनीति को मजबूती देता है।

समस्या को धर्म के चश्मे से देखना समाधान नहीं : कश्मीर में आतंकवाद की समस्या को किसी एक धर्म या पूरे समुदाय से जोड़कर देखना उचित नहीं है। आतंकवाद की विचारधारा और उसके समर्थकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जरूरी है, लेकिन आम नागरिकों को उससे अलग रखना उतना ही महत्वपूर्ण है। जम्मू-कश्मीर में रहने वाले हर नागरिक को समान अधिकार, सुरक्षा और विकास का अवसर मिलना चाहिए।

कट्टरपंथ से निपटने के लिए सुरक्षा कार्रवाई के साथ शिक्षा, रोजगार, संवाद और सामाजिक भागीदारी को भी मजबूत करना होगा। युवाओं को हिंसा और आतंकवाद के रास्ते से दूर रखने के लिए बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना दीर्घकालिक समाधान का हिस्सा होना चाहिए।

कूटनीति से बढ़ेगा दबाव : कश्मीर को लेकर अमेरिकी रुख में आया यह संकेत भारत के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पाकिस्तान लंबे समय से इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा

है। यदि प्रमुख वैश्विक शक्तियां कश्मीर को भारत और पाकिस्तान के बीच किसी अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के विषय के बजाय भारत की संप्रभुता और आतंकवाद से जुड़े मुद्दे के रूप में देखने लगती हैं, तो पाकिस्तान की रणनीति कमजोर पड़ सकती है।

लेकिन भारत को भी इस अवसर का उपयोग संयमित और दूरदर्शी कूटनीति के लिए करना होगा। अमेरिका के साथ रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने के साथ रूस, यूरोप, जापान और खाड़ी देशों के साथ भी संवाद बढ़ाना जरूरी है। दक्षिण एशिया में बदलते शक्ति संतुलन के बीच भारत के लिए बहुपक्षीय कूटनीति सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकती है।

कश्मीर में शांति केवल बंदूक से नहीं आएगी और न ही केवल राजनीतिक बयानबाजी से। इसके लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, विकास, लोकतांत्रिक भागीदारी और सीमा पार आतंकवाद पर निर्णायक दबाव—इन सभी मोर्चों पर एक साथ काम करना होगा।

अमेरिकी राजदूत का ताजा बयान भारत के पक्ष में एक सकारात्मक कूटनीतिक संकेत जरूर है। अब देखना होगा कि यह बयान आगे चलकर अमेरिकी नीति में कितना स्थायी बदलाव लाता है। यदि वाशिंगटन कश्मीर में आतंकवाद और भारत की संप्रभुता के मुद्दे पर अपना रुख और स्पष्ट करता है, तो पाकिस्तान पर दबाव बढ़ेगा और जम्मू-कश्मीर में शांति की कोशिशों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई मजबूती मिल सकती है।

डिजिटल भारत में सर्पदंश का कहर

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की महत्वाकांक्षी यात्रा पर आगे बढ़ रहा है। डिजिटल इंडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आधुनिक चिकित्सा, टेलीमेडिसिन, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड और अत्याधुनिक संचार व्यवस्था के इस दौर में देश की विकास यात्रा तभी सार्थक मानी जाएगी, जब गरीब, ग्रामीण, आदिवासी और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों का जीवन भी उतना ही सुरक्षित और मूल्यवान हो, जितना महानगरों में रहने वाले नागरिकों का। इसी कसौटी पर सर्पदंश आज भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने एक गंभीर चुनौती बनकर खड़ा है।

अनुमानित तौर पर भारत में हर वर्ष लाखों लोग सर्पदंश का सामना करते हैं और विभिन्न अध्ययनों में इससे होने वाली मौतों का आंकड़ा 50 हजार या उससे अधिक बताया गया है। वहीं सरकारी निगरानी में दर्ज आंकड़े इससे काफी कम हैं। यह अंतर बताता है कि समस्या केवल मौतों की संख्या तक सीमित नहीं है,

बल्कि इसमें मामलों की कम रिपोर्टिंग, उपचार में देरी और कमजोर निगरानी व्यवस्था भी बड़ी भूमिका निभाती है।

महाराष्ट्र सरकार के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने 18 अगस्त 2026 को सर्पदंश को आधिकारिक रूप से अधिसूचित बीमारी घोषित करते हुए इसका नोटिफिकेशन जारी किया है। मार्च 2026 में संसद में दिए गए उत्तर के अनुसार उस समय आठ राज्यों—कर्नाटक, तमिलनाडु, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, केरल, ओडिशा और एक अन्य राज्य—में सर्पदंश को अधिसूचित बीमारी घोषित किया जा चुका था। महाराष्ट्र के शामिल होने के बाद यह संख्या नौ राज्यों तक पहुंच गई है। ऐसे में सवाल है कि केंद्र और बाकी राज्य इस दिशा में कब ठोस कदम उठाएंगे? क्या इसके लिए किसी और बड़ी त्रासदी का इंतजार किया जाएगा?

तीन मासूमों की मौत ने झकझोरा : सर्पदंश की भयावहता का ताजा उदाहरण महाराष्ट्र के गडचिरोली जिले के धानोरा तालुका स्थित जपतलाई की अनुदानित आदिवासी आश्रमशाला में सामने आया। अगस्त 2026 में

आवासीय विद्यालय के छात्रावास में रात के समय विषैले सांप के काटने से छह छात्राएं प्रभावित हुईं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार इनमें 8, 12 और 14 वर्ष की तीन छात्राओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य छात्राओं का उपचार किया गया। घटना के बाद जिला प्रशासन ने जांच शुरू की और आश्रमशाला की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे।

यह केवल तीन परिवारों की त्रासदी नहीं है, बल्कि उस भारत के सामने खड़ा प्रश्न है जो वर्ष 2047 में विकसित राष्ट्र बनने का सपना देख रहा है। यदि आवासीय विद्यालयों में सो रहे बच्चों की सुरक्षा सर्पदंश जैसी रोकथाम योग्य और उपचार योग्य आपातस्थिति से सुनिश्चित नहीं की जा सकती, तो विकास के मॉडल को केवल डिजिटल कनेक्टिविटी और आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा की अंतिम कड़ी तक पहुंच से भी परिभाषित करना होगा।

महाराष्ट्र सरकार ने इस घटना के बाद कार्रवाई करते हुए सर्पदंश को अधिसूचित बीमारी की सूची में शामिल किया है। यह निश्चित रूप से स्वागत योग्य कदम है, लेकिन

अब आवश्यकता है कि दूसरे राज्य भी इसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में स्वीकार करें।

अंधविश्वास के साथ उपचार में देरी भी चुनौती : सर्पदंश की त्रासदी का एक दूसरा और अधिक चिंताजनक पहलू उपचार में होने वाली देरी है। आज भी अनेक ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में सांप के काटने के बाद पीड़ित को तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय ओझा, तांत्रिक, झाड़ू-फूंक या पारंपरिक उपचार के लिए ले जाने की प्रवृत्ति मौजूद है। इसके पीछे केवल अंधविश्वास ही जिम्मेदार नहीं है। स्वास्थ्य संस्थानों से दूरी, परिवहन की कमी, एंटी-स्नेक वेनम की उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता और चिकित्सा व्यवस्था पर भरोसे की कमी भी इसके प्रमुख कारण हैं। परिणाम यह होता है कि जिस महत्वपूर्ण समय में मरीज को जीवनरक्षक उपचार मिल सकता है, वह उपचार मिलने से पहले ही निकल जाता है।

इसलिए सर्पदंश को केवल सांप और इंसान के बीच की घटना मानना उचित नहीं होगा। यह स्वास्थ्य व्यवस्था, सामाजिक जागरूकता, शिक्षा, परिवहन,

डिजिटल निगरानी और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा बहुआयामी सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है।

अधिसूचित बीमारी घोषित करने का महत्व : सर्पदंश को अधिसूचित बीमारी घोषित करने का सबसे बड़ा लाभ व्यवस्थित और विश्वसनीय आंकड़ों का संग्रह है। जब सरकारी और निजी स्वास्थ्य संस्थानों में दर्ज होने वाले मामलों तथा मौतों की जानकारी अनिवार्य रूप से निगरानी तंत्र तक पहुंचेगी, तब सरकार यह पता लगा सकेगी कि किन जिलों, तहसीलों, गांवों और मौसमों में सर्पदंश का खतरा अधिक है। कर्नाटक ने फरवरी 2024 में इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए सर्पदंश के मामलों और मौतों की रिपोर्टिंग को अनिवार्य किया था। सरकारी और निजी अस्पतालों तथा चिकित्सा संस्थानों को मामलों की जानकारी एकीकृत स्वास्थ्य सूचना प्रणाली पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। कर्नाटक का अनुभव यह भी बताता है कि अधिसूचना के बाद मामलों की संख्या बढ़ती दिखाई दे सकती है, लेकिन इसका अर्थ हमेशा यह नहीं होता कि सर्पदंश अचानक बढ़ गया है। बेहतर निगरानी और रिपोर्टिंग के

कारण पहले सामने नहीं आने वाले मामले अब दर्ज होने लगते हैं। मृत्यु की समीक्षा से यह भी पता लगाया जा सकता है कि मरीज की मौत किन परिस्थितियों में हुई और स्वास्थ्य व्यवस्था में कहाँ सुधार की आवश्यकता है।

केंद्र सरकार की राष्ट्रीय कार्ययोजना : भारत सरकार ने भी सर्पदंश की समस्या से निपटने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 12 मार्च 2024 को सर्पदंश की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्ययोजना शुरू की थी। इसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक सर्पदंश से होने वाली मौतों और विकलांगता को आधा करना है। इस कार्ययोजना में उपचार की उपलब्धता, स्वास्थ्यकर्मियों का प्रशिक्षण, रेफरल व्यवस्था, जनजागरूकता और सर्पदंश की निगरानी जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र भी सर्पदंश निगरानी, स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण, जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की आपात सेवाओं को मजबूत करने तथा एंटी-स्नेक वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर देता है।

डबरा रेलवे स्टेशन से पुलिस ने पकड़ा, वर्ष 2013 में घोषित हुआ था इनाम जाली मुद्रा के मामले में 22 साल से फरार पांच हजार का इनामी वारंटी गिरफ्तार

ग्वालियर जीएनएस
जाली मुद्रा के मामले में 22 वर्ष से फरार चल रहे पांच हजार रुपए के इनामी वारंटी को डबरा सिटी थाना पुलिस ने डबरा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ न्यायालय से स्थायी वारंट भी जारी था। पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर फरार इनामी वारंटियों एवं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जिले में

अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान डबरा सिटी पुलिस को बुधवार को मुखबिर से सूचना मिली कि अपराध क्रमांक 355/2004 में धारा 489(ए), 489(बी) के तहत फरार पांच हजार रुपए का इनामी वारंटी अरविंद जाट डबरा रेलवे स्टेशन पर मौजूद है। सूचना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर के निर्देश पर एसडीओपी डबरा सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उप निरीक्षक संजय शर्मा के नेतृत्व में

टीम को स्टेशन भेजा गया।

पुलिस टीम ने मुखबिर द्वारा बताए हुए एक आधार पर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम अरविंद पिता स्व. बहादुर सिंह जाट, निवासी ग्राम चुरली, थाना पिछोरे, जिला ग्वालियर बताया। जांच में उसके खिलाफ स्थायी वारंट होना सामने आया।

बीएसएफ में था आरक्षक, जेल जाने के बाद हो गया था फरार : पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पूर्व में बीएसएफ टेकनपुर की 78वीं

बटालियन की एफ कंपनी में आरक्षक था। वर्ष 2004 में छुट्टी के दौरान उसके पास जाली मुद्रा पकड़ी गई थी, जिसके बाद वह करीब एक वर्ष जेल में रहा। जेल से बाहर आने के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए वह घर छोड़कर ग्राम डींग, तहसील बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद में रहने लगा। इस दौरान उसने शादी कर ली और उसका एक बेटा भी है। आरोपी के अनुसार, उसने परिवार के लोगों से भी संपर्क खत्म कर लिया था और इसके बाद कभी न्यायालय में पेशी पर नहीं आया।

फोटोग्राफर्स क्रिकेट टूर्नामेंट एवं रक्तदान शिविर का भव्य समापन



ग्वालियर जीएनएस
ग्वालियर फोटोग्राफर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ भव्य समापन हुआ। फाइनल में फोटो फाइटर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि लेंस लॉयन टीम उपविजेता रही। समापन समारोह में पूर्व सांसद नारायण शेजवलकर

विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इसी अवसर पर ग्वालियर फोटोग्राफर्स एसोसिएशन की ओर से रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया। रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से आयोजित शिविर में करीब 60 यूनिट रक्तदान हुआ।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में करियर काउंसिलिंग कार्यक्रम आयोजित विद्यार्थियों को रोजगार, स्वरोजगार और व्यक्तित्व विकास के संबंध में दी जानकारी

ग्वालियर जीएनएस
जिला रोजगार कार्यालय ग्वालियर द्वारा व्यावसायिक मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मुरार में करियर काउंसिलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपसंचालक रोजगार कार्यालय पवन कुमार भिमटे एवं समन्वयक कुसुम भारती के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को करियर चयन और रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-वंदन से हुआ। प्राचार्य प्रबुद्ध गर्ग ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भी प्राचार्य प्रबुद्ध गर्ग ने की। इस अवसर पर मनोविशेषज्ञ काउंसलर डॉ. याशी जैन, विषय विशेषज्ञ प्रमोद राजावत एवं आशीष पांडेय, करियर काउंसिलिंग प्रकोष्ठ प्रभारी काउंसलर डॉ. दीप्ति गौड़, व्यावसायिक प्रशिक्षक नरेंद्र भार्गव, आईसीटी प्रभारी नीरज बिलाटिया सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

काउंसिलिंग टीम ने



विद्यार्थियों का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण कर उनकी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप करियर विकल्पों की जानकारी दी। विद्यार्थियों को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसरों, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, तनाव प्रबंधन और उपयुक्त करियर चयन के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। विद्यार्थियों से करियर सूचना फॉर्म भी भरवाए गए, जिसके आधार पर उन्हें व्यक्तिगत काउंसिलिंग प्रदान की गई।

आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच जरूरी : काउंसलर डॉ. याशी जैन ने कहा कि व्यक्तित्व विकास के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने, सकारात्मक सोच विकसित करने और बेहतर संवाद कौशल पर लगातार काम करना जरूरी है। नई चीजें सीखने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और

अपनी कमजोरियों को सुधारने पर ध्यान देकर व्यक्तित्व को बेहतर बनाया जा सकता है। विषय विशेषज्ञ आशीष पांडेय ने विद्यार्थियों को सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने, रोजाना कुछ नया सीखने, माइंडफुलनेस का अभ्यास करने और लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें छोटे-छोटे चरणों में पूरा करने के लिए प्रेरित किया। विषय विशेषज्ञ प्रमोद राजावत ने कहा कि रोजगार कार्यालय की यह पहल विद्यार्थियों को रोजगार की संभावनाओं से परिचित कराने में उपयोगी है। करियर का चयन करते समय विद्यार्थियों को अपनी रुचि और कौशल का मूल्यांकन करना चाहिए। ज्ञान आधारित, कौशल आधारित, उद्यमिता और स्वतंत्र कार्य से जुड़े विकल्पों में अपनी क्षमता एवं भविष्य के लक्ष्य के अनुसार निर्णय लेना चाहिए।

विकास कार्यों का नगर निगम आयुक्त ने किया निरीक्षण

कन्वेंशन सेंटर का काम जल्द पूरा करें, नहीं तो लगेगी पेनल्टी

ग्वालियर जीएनएस
गोला का मंदिर स्थित कटारे फार्म पर निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर का काम जल्द पूरा नहीं होने पर निर्माण एजेंसी पर पेनल्टी लगाई जाएगी। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने बुधवार को कन्वेंशन सेंटर का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों और ठेकेदार को अधूरे काम को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव, कार्यपालन यंत्री पवन शर्मा, सहायक यंत्री अमित गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निगमायुक्त ने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान काम अधूरा मिलने पर



उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदार के प्रति नाराजगी जताई।

निगमायुक्त ने कहा कि कन्वेंशन सेंटर के संचालन एवं रखरखाव के लिए दूसरी एजेंसी आ चुकी है, लेकिन निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं होना गंभीर लापरवाही है। ठेकेदार

को निर्देश दिए गए कि शेष कार्यों को तेजी से पूरा कर सेंटर को जल्द संबंधित एजेंसी को हस्तांतरित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्य की गति में सुधार नहीं हुआ और निर्धारित समय में निर्माण पूरा नहीं किया गया तो संबंधित निर्माण एजेंसी पर नियमानुसार पेनल्टी की कार्रवाई की जाएगी।

अमरौल में 21 अगस्त को लगेगा जिला स्तरीय जन-विश्वास शिविर

ग्वालियर जीएनएस
मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत ग्वालियर जिले का तीसरा जिला स्तरीय जन-विश्वास शिविर शुक्रवार 21 अगस्त को विकासखंड भितरवार की ग्राम पंचायत अमरौल में आयोजित किया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे अमरौल स्थित

स्कूल प्रांगण में शुरू होगा। इसमें सिकरौदा, कछौआ, झांकरी, अमरौल, किशनपुर, ऐराया, बड़ेराभास, पुरी, खैरवाया, पिपरी, भरथरी, लदवाया और बड़की सराय पंचायतों के ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।

शिविर से पहले विभिन्न

विभागों के अधिकारी फील्ड भ्रमण कर विभागीय संस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। जिला स्तरीय शिविर में जन संवाद के साथ उद्योग संवाद भी होगा। इसमें वृहद, एमएसएमई और कुटीर उद्योगों से जुड़े उद्यमी अपने अनुभव साझा करेंगे तथा उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

एक सितंबर से शुरू होगी मुख्य प्रतियोगिता, पांच गतिविधियों के आधार पर होगा मूल्यांकन

स्वच्छ विद्यालय के लिए बच्चों को किया जागरूक

ग्वालियर जीएनएस
नगर निगम ग्वालियर द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए शहर के विभिन्न विद्यालयों में स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को सेंट पॉल स्कूल मुरार, शासकीय एमएलबी कन्या विद्यालय मुरार, ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल और वीनस पब्लिक स्कूल सहित अन्य विद्यालयों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्कूल प्रबंधन ने सहभागिता की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि स्वच्छता की आदतें केवल विद्यालय तक

एवं अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत विद्यालयों को स्वच्छता मानकीकरण एवं रेटिंग के मानकों की जानकारी देने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। बुधवार को सेंट पॉल स्कूल मुरार, शासकीय एमएलबी कन्या विद्यालय मुरार, ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल और वीनस पब्लिक स्कूल सहित अन्य विद्यालयों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्कूल प्रबंधन ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि स्वच्छता की आदतें केवल विद्यालय तक



सीमित नहीं रहनी चाहिए। बच्चे स्वयं जागरूक होकर अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इससे शहर को स्वच्छ बनाने में

उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

एक सितंबर से शुरू होगी मुख्य प्रतियोगिता : प्रारंभिक गतिविधियों के माध्यम से सहभागी विद्यार्थियों का चयन किया जा

चुका है। अब मुख्य स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता एक सितंबर 2026 से शुरू होगी। प्रतियोगिता में प्रत्येक विद्यालय का कुल 100 अंकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

पांच गतिविधियों के लिए 20-20 अंक : प्रतियोगिता में पांच प्रमुख गतिविधियों को शामिल किया गया है। प्रत्येक गतिविधि के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। इनमें स्वच्छ शौचालय परिसर एवं शौचालयों का रखरखाव, विद्यालय परिसर में गीले कचरे से खाद तैयार करना, सेंटर मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी का उचित संचालन,

विद्यार्थियों द्वारा घर पर जैविक खाद तैयार करना तथा गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण शामिल है।

इस अवसर पर स्वच्छता एंबेसडर आरजे अर्जुन, पवन दीक्षित, प्रमोद धनेले, सहायक खेल अधिकारी विजेता चौहान, एसबीएम कंसलटेंट नवीन राणा, अमित सिंह सहित आईसीटी टीम मौजूद रही। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को कचरा प्रबंधन का सही तरीका सिखाकर उन्हें स्कूल के साथ-साथ घर और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए सक्रिय भागीदार बनाना है।

शिवराज सिंह गुर्जर बने गुर्जर महासभा के प्रदेश महासचिव नवोदय परिवार और गणमान्य नागरिकों ने दी बधाई

ग्वालियर, जीएनएस।
अखिल भारतीय गुर्जर महासभा में शिवराज सिंह गुर्जर को मध्य प्रदेश का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति पर नवोदय परिवार, प्रशासनिक अधिकारियों और शहर के गणमान्य नागरिकों में हर्ष की लहर दौड़ गई है।

शहर के प्रसिद्ध वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप बाजपेयी ने शिवराज सिंह गुर्जर को पुष्पगुच्छ भेंट कर नवीन दायित्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डॉ. बाजपेयी ने कहा कि सामाजिक संगठन का मुख्य ध्येय समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना और युवाओं को



सही मार्गदर्शन देना होना चाहिए। उन्होंने आगामी कार्ययोजनाओं में सामाजिक उत्थान, कुरीति उन्मूलन और उच्च शिक्षा के प्रसार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया।

प्रशासनिक अधिकारियों व समाजसेवियों ने दी

शुभकामनाएं: शिवराज सिंह गुर्जर के मनोनयन पर सीएसपी प्रमोद शाक्य, जमील खान, दिलीप नरवारिया, हरेंद्र निगम, गोपाल कुशवाह, विक्रम कुशवाह, दिनेश रावत, बंटी पाल, कमलेश यादव, प्रमोद प्रजापति, अखिलेश शर्मा, देवेन्द्र सिकरवार, श्याम तोमर,

अरुण लोधी, जयंत बरैया और सीताराम गुर्जर सहित नवोदय परिवार से जुड़े कई गणमान्य व्यक्तियों ने बधाई प्रेषित की। शिक्षा और समाज सेवा रहेगी सर्वोच्च प्राथमिकता-शिवराज सिंह शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए नव-नियुक्त प्रदेश महासचिव शिवराज सिंह गुर्जर ने कहा कि संगठन ने जो विश्वास उन पर जताया है, वे उस पर पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में संगठन को सशक्त करने के साथ-साथ युवाओं को शिक्षा, स्वरोजगार और सामाजिक एकजुटता से जोड़ने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

अक्षय ऊर्जा वर्तमान की आवश्यकता है: तरुण गुप्ता

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के द्वारा 'अक्षय ऊर्जा दिवस' मनाया गया। कार्यक्रम में इंजीनियर तरुण गुप्ता ने अक्षय ऊर्जा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह ऊर्जा आज की नितांत आवश्यकता है। यदि हम भविष्य को संरक्षित करना चाहते हैं तो हमें सूर्य ऊर्जा को अपनाना चाहिए। प्राकृतिक संसाधनों की सीमाएं होती हैं और इसके अत्यधिक उपयोग के कारण इनका क्षरण भी हो रहा है। हमें ऐसे विकल्पों पर विचार करना होगा जिससे हम प्राकृतिक संसाधनों का उचित उपयोग करते हुए प्रकृति के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन कर

सकें। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रोफेसर बी.के. शर्मा ने बताया कि प्रकृति ने हमें 6 तरह की ऊर्जा प्रदान की हैं जिनमें से अक्षय ऊर्जा एक है। आज के इस औद्योगीकरण के युग में अक्षय ऊर्जा का महत्व अत्यधिक है। शोध के द्वारा बताया गया है कि हमारे पास संसाधनों की उपलब्धता आने वाले 100 साल तक ही है अर्थात् हमारे पास संसाधन सीमित है और हमें अक्षय ऊर्जा जैसे उपक्रमों के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए डॉ. अमिता मिश्रा ने बताया कि मनुष्य जीवन में अक्षय ऊर्जा अति महत्वपूर्ण है। आपने छात्रों को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी।

17 लाख 72 हजार रुपए से अधिक की बकाया राशि पर 6 बिजली कनेक्शन काटे

पोरसा, जीएनएस।
मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों ने बकाया बिजली बिलों की वसूली को लेकर कार्रवाई करते हुए पोरसा में 6 विद्युत कनेक्शन काट दिए। संबंधित उपभोक्ताओं पर कुल 17 लाख 72 हजार रुपए की राशि बकाया बताई गई है। साथ ही न्यायालयीन कार्रवाई के लिए प्रकरण वरिष्ठ कार्यालय को भेजने की प्रक्रिया की गई है।

यह कार्रवाई विद्युत वितरण कंपनी के डीई उमेश विश्वकर्मा के निर्देश पर एई इंद्रेश्वर सिंह एवं जेई

विवेक प्रताप सिंह भदौरिया के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई के दौरान रामप्रसाद सिंह तोमर, सोनू सिंह तोमर, जितेंद्र शर्मा, सत्येंद्र सिंह, विजय सिंह, हरिओम करोरिया, गार्ड विजय सिंह तोमर और बॉबी सिंह तोमर मौजूद रहे।

विद्युत विभाग की टीम ने धनेटा रोड पर छः कनेक्शन काटे, जब जिन उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए, उनमें विद्युत विभाग की टीम ने धनेटा रोड पर 17 लाख 72 हजार रुपए से अधिक की बकाया राशि पर 6 बिजली कनेक्शन काटे गए, उनमें अमोली

देवी पर 540286, रवि कुमार पर 119161, रामकरण राठौर पर 158274, महावीर 205514, विनोद पर 155188, गंगा देवी तोमर पर 594550 रुपए की बकाया राशि बताई गई है। विद्युत विभाग ने बकायादारों को बिल जमा करने के लिए कार्रवाई की चेतावनी दी है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार बकाया राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ आगे भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी तथा न्यायालयीन कार्रवाई के लिए मामलों को वरिष्ठ कार्यालय भेजा जा रहा है।

राजीव गांधी देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे उन्होंने देश को कंप्यूटर युग में प्रवेश कराने में अहम भूमिका अदा की

दतिया जिला कांग्रेस कार्यालय जवाहर भवन पर गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की 82वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान उपस्थित कांग्रेस जनों ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इसके बाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा के अगुवाई में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वहीं कांग्रेसियों ने जिला हॉस्पिटल पहुंचकर ब्लड बैंक पर रक्तदान किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा



ने कहा कि राजीव गांधी देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे उन्होंने देश को कंप्यूटर युग में प्रवेश कराने में अहम भूमिका अदा की है उनके द्वारा संचालित अनेक योजनाएं आज भी धरातल पर उतरी हैं खासकर युवाओं के विकास को लेकर उनका विजन

सराहनीय रहा इस अवसर पर कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा, जिला कांग्रेस संगठन महासचिव नरेन्द्र गुर्जर, अंबिका शर्मा, सी एल बौद्ध, बी एल केन, मुन्ना खां, स्वामी शरण कुशवाहा, जामिनी दादौरिया आदि।

खाली सीटों को भरने के लिए 21 से 31 अगस्त तक होगी अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग

ग्वालियर, जीएनएस।
शैक्षणिक सत्र 2026-27 में महाविद्यालयों में प्रवेश से वंचित विद्यार्थियों को प्रवेश का एक और अवसर मिला है। उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की रिक्त सीटों पर 21 से 31 अगस्त तक अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इस चरण में प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा।

प्रवेश प्रक्रिया

ग्वालियर सहित प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में उपलब्ध रिक्त सीटों पर होगी। 31 अगस्त के बाद प्रवेश मान्य नहीं होगा। विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए संबंधित महाविद्यालय से आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्राप्त करने की सलाह दी गई है।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों में द्वितीय अतिरिक्त चरण की समय-सारणी जारी: राष्ट्रीय अध्यापक

शिक्षा परिषद (हृष्टज्ञ) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी द्वितीय अतिरिक्त चरण की समय-सारणी जारी की गई है। इसके तहत 20 से 24 अगस्त तक पंजीयन एवं आवेदन, 20 से 25 अगस्त तक दस्तावेजों का सत्यापन और 27 अगस्त को मेरिट सूची जारी की जाएगी। 29 अगस्त को सीट आवंटन होगा। आवंटित विद्यार्थियों को 29 अगस्त से 2 सितंबर तक संबंधित हेल्प सेंटर पर मूल दस्तावेज एवं टीसी/माइग्रेसन प्रमाण-पत्र के साथ

उपस्थित होकर भौतिक सत्यापन और लिंक ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। 29 अगस्त से 3 सितंबर तक प्रवेश शुल्क जमा किया जा सकेगा। निर्धारित समय-सीमा में शुल्क जमा नहीं करने पर प्रवेश मान्य नहीं होगा।

उच्च शिक्षा विभाग ने महाविद्यालयों को निर्देश दिए हैं कि प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित समय-सारणी के अनुसार सुचारु एवं समयबद्ध रूप से पूरी करें और विद्यार्थियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराया जाए।

कल बसपा का कार्यकर्ता सम्मेलन, आगामी निकाय एवं पंचायत चुनाव की बनेगी रणनीति

शिवपुरी, जीएनएस।

बहुजन समाज पार्टी जिला शिवपुरी द्वारा आगामी 22 अगस्त 2026, शनिवार को राधिका पैलेस, ग्वालियर बायपास, शिवपुरी में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में संगठन विस्तार और आगामी नगर पालिका, नगर परिषद एवं ग्राम पंचायत चुनावों की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। बसपा जिला कार्यालय से जारी प्रेस नोट के अनुसार सम्मेलन में केंद्रीय प्रदेश प्रभारी मोहित आनंद, प्रदेश अध्यक्ष जियालाल अहिरवार तथा प्रदेश प्रभारी एडवोकेट दिलीप बौद्ध मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की

अध्यक्षता बसपा जिला अध्यक्ष सुआलाल जाटव करेंगे। सम्मेलन में विधानसभा कमेटी, सेक्टर कमेटी और पोलिंग बूथ स्तर के पदाधिकारियों के साथ संगठन को मजबूत करने और विस्तार को लेकर विशेष चर्चा होगी। वहीं युवा कार्यकर्ताओं से प्रदेश प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष विशेष संवाद करेंगे। आगामी स्थानीय निकाय एवं पंचायत चुनावों को लेकर संगठन की रणनीति भी तैयार की जाएगी। बसपा जिला सचिव दशरथ जाटव ने कार्यकर्ताओं से सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

14 राज्यों में पसरा रोमांच, आगामी वर्ष में राष्ट्रीय चैंपियनशिप और विस्तार की योजना

मथुरा, जीएनएस।
बृजनगरी से उत्पन्न स्वदेशी और रोमांचक खेल 'ड्रिपबॉल' ने आज सफलतापूर्वक अपना पहला वर्ष पूरा कर लिया है। एक वर्ष पूर्व शुरू हुआ यह खेल आज देश के 14 राज्यों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। प्रथम वर्षगांठ के इस खास अवसर पर खेल संघ ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल प्रेमियों और समर्थकों का आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने इस खेल को समझा, अपनाया और इसे इस मुकाम तक

पहुँचाया। संस्थापक डॉ. अरविन्द चित्तौड़िया ने बताया ड्रिपबॉल खेल ने अपने पहले ही साल में देश के 14 राज्यों में अपनी पहुँच दर्ज कराई है।

?कम समय में हजारों युवाओं और खेल प्रेमियों ने इस खेल को अपनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

राज्य स्तर पर खेल समितियों का गठन कर प्रशिक्षण शिविरों का सफल आयोजन किया गया।

आगामी वर्ष में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में



ड्रिपबॉल का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सभी राज्यों के प्रतिनिधियों से अन्य राज्यों के खेल प्रेमियों को जोड़ने का आह्वान किया गया है।

?ऑल इंडिया ड्रिपबॉल एसोसिएशन ने प्रथम रेफरी वर्कशॉप मथुरा, वही प्रथम राष्ट्रीय

प्रतियोगिता तिरुपति आंध्र प्रदेश अब द्वितीय राष्ट्रीय ड्रिपबॉल चैंपियनशिप, महाराष्ट्र के पुणे शहर में प्रस्तावित है वही अभी भारतीय ड्रिपबॉल टीम 28 से 30 अगस्त साउथ एशियन चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेगी जहां भारतीय टीम भूटान, पाकिस्तान,

नेपाल के साथ खेलेगी।

जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को तराशने के लिए ऑल इंडिया ड्रिपबॉल एसोसिएशन ने ड्रिपबॉल खेल को लोकप्रिय करने के लिए इंडियन पैरा स्कूल फेडरेशन, ऑल इंडिया स्पोर्ट्स काउंसिल लेबर एंड एंप्लाइज, भारतीय खेल एवं शिक्षा परिषद के साथ मान्यता ली है वही जल्द ही आगामी हम सीबीएसई बोर्ड और यूनिवर्सिटी खेलों में ड्रिपबॉल खेल को शामिल कराएंगे

?खेल की बारीकियों और नियमों को मानकीकृत करने के

लिए राष्ट्रीय स्तर पर कोच और रेफरी क्लिनिक आयोजित होंगे। स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर संघ ने सभी राज्य इकाइयों, खिलाड़ियों और पदाधिकारियों से अपील की है कि वे अपने-अपने राज्यों के प्रमुख समाचार पत्रों में इस उपलब्धि की खबर प्रकाशित करवाएं। साथ ही, पिछले एक वर्ष के अपने अनुभवों, तस्वीरों और वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा करें ताकि इस खेल की गूंज हर घर तक पहुँच सके।

सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करने वाला है सुन्दर काण्ड पाठ

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)
वृन्दावन। गांधी मार्ग स्थित श्रीनाथ धाम में चल रहे सप्त दिवसीय 30 वें अष्टोत्तरशत श्रीमद्भागवत सप्ताह पारायण एवं कथा महोत्सव के दूसरे दिन विश्वविख्यात भागवत प्रवक्ता पुराणाचार्य डॉ. मनोज मोहन शास्त्री ने अपनी सुमधुर वाणी के द्वारा देश-विदेश से आए असंख्य भक्तों-श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा श्रवण कराई। सायं काल श्रीहनुमद् आराधन मण्डल (रंजि.) के द्वारा संगीतमय सुन्दर कांड का सामूहिक पाठ किया गया। साथ ही श्रीहनुमानजी महाराज

की आरती की गई। इस अवसर पर पुराणाचार्य डॉ. मनोज मोहन शास्त्री ने कहा कि सुंदरकांड का पाठ सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करने वाला है। इस पाठ को करने से श्रीहनुमानजी महाराज शीघ्र ही प्रसन्न होकर भक्तों को मनवांछित फल प्रदान करते हैं। ठाकुर श्रीराधा रमण मंदिर के सेवाधिकारी वैष्णवाचार्य देवांशु गोस्वामी एवं वानप्रस्थ धाम के संस्थापक डॉ. चतुर नारायण पाराशर ने कहा कि श्रीहनुमानजी महाराज समस्त सद्गुणों की खान हैं। उनमें वीरता, स्वामी भक्ति, बुद्धि-ज्ञान आदि का भंडार है। जो व्यक्ति जिस



कामना से उनकी पूजा-अर्चना करता है, उसकी कामना वे निश्चित ही पूर्ण करते हैं। प्रख्यात साहित्यकार यूपी रत्न डॉ. गोपाल चतुर्वेदी एवं प्रख्यात भागवताचार्य रमाकांत गोस्वामी ने कहा कि श्रीहनुमानजी

महाराज भक्त शिरोमणि हैं। कलिकाल में श्रीहनुमानजी की आराधना के बिना भगवान श्रीरामजी की भक्ति प्राप्त कर पाना असम्भव है। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रख्यात भजन गायक वैष्णवाचार्य धीरज बावरा एवं पण्डित श्याम सुन्दर ब्रजवासी ने प्रभु

भक्ति की महिमा से ओतप्रोत भजनों का संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन कर सभी को भाव-विभोर कर दिया। इस अवसर पर श्रीहनुमद् आराधन मण्डल के अध्यक्ष पण्डित अशोक व्यास, संरक्षक डॉ. अशोक शास्त्री, कोषाध्यक्ष आचार्य विपिन बापू, पण्डित आर.एन. द्विवेदी (राजू भैया), आचार्य ज्ञानेन्द्र किशोर गोस्वामी, आचार्य आनन्द वल्लभ गोस्वामी, आचार्य नेत्रपाल शास्त्री, महंत चन्द्रदास महाराज, सन्त प्रियाशरण भक्तमाली, आचार्य सुमन्त कृष्ण शास्त्री, डॉ. शिवम साधक महाराज, भागवत विदुषी

कीर्ति किशोरी, मयूर कृष्ण, आचार्य हरिहर मुद्गल, आचार्य पीठाधीश्वर स्वामी यदुनंदनाचार्य महाराज, डॉ. राधाकांत शर्मा, भूति कृष्ण महाराज, आचार्य बालकृष्ण सारस्वत, पण्डित धर्मवीर शास्त्री, स्वामी रामशरण शर्मा, स्वामी प्रेमचन्द्र तिवारी, डॉ. रामदत्त मिश्र, पण्डित महेश भारद्वाज, आचार्य घनश्याम दुबे, शिवांशु भाई मिश्र, श्रीमती मीरा शास्त्री, सुदेवी शर्मा, पीयूष शर्मा, पद्मानाभ शास्त्री, मानसी शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। तत्पश्चात सन्त, विप्र, ब्रजवासी सेवा एवं वृहद भंडारा भी हुआ।

एशराब तस्करी का भंडाफोड़, 131 पेटी शराब बरामद

फिरोजाबाद, जीएनएस। नगला खंगर पुलिस ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर अवैध शराब की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने बुलेरो पिकअप से राजस्थान निर्मित 131 पेटी यानी 6,288 क्वार्टर अंग्रेजी शराब बरामद की है। बरामद शराब की कीमत करीब 5.03 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस को देखकर चालक पिकअप छोड़कर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, 18 अगस्त को मुखबिर ने सूचना दी कि बुलेरो पिकअप संख्या ऋष्ट 37 तक्क 3540 से अवैध शराब ले



जाई जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम ने वाहन का पीछा किया। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर संख्या 65 के पास पिकअप ड्रिवाइडर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। इसी दौरान चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। 6,288 क्वार्टर शराब बरामद

पुलिस ने पिकअप की तलाशी ली तो उसमें राजस्थान निर्मित 131 पेटी शराब मिली। इनमें रॉयल क्लासिक व्हिस्की के 5,856 क्वार्टर और कंट्री क्लब डीलक्स के 432 क्वार्टर शामिल हैं। शराब की अनुमानित कीमत 5,03,040 रुपये बताई गई

है। तलाशी के दौरान पुलिस को एक ड्राइविंग लाइसेंस और आधार कार्ड भी मिले। दस्तावेजों के आधार पर मुकेश सिंह निवासी लोहा काना खुर्द, तहसील विराटनगर, जयपुर (राजस्थान) का नाम सामने आया है। वहीं पिकअप महेन्द्र कुमार निवासी चक छजना, तहसील कंडेला, सीकर (राजस्थान) के नाम पंजीकृत है। मामले में थाना नगला खंगर में आवककारी अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस फरार चालक और शराब तस्करी से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

मेडिकल कलेज के हॉस्टल में सिटी मजिस्ट्रेट और सी ओ टूंडला के आश्वासन के बाद धरना समाप्त

फिरोजाबाद, जीएनएस। प्राचार्य डॉक्टर योगेश गोयल के आदेश के बाद सुरक्षा कर्मियों ने इंटरन महिला और पुरुष के कमरों की जिस प्रकार चेकिंग की जिससे गुस्साएं इंटरन ने धरना दिया था और प्राचार्य के ऊपर अनेकों प्रकार के आरोप लगाए थे धरना दिनभर चलता रहा जिसकी जानकारी मिलने पर सिटी मजिस्ट्रेट और सीओ टूंडला मौके पर पहुंचे और पूरी जानकारी कर इंटरन को शांत किया और इंटरन की चारों मांगों को मान लिया अब सवाल यह उठता है की इंडेक्स के चलने से बिजली का फाल्ट हो जाता है परंतु उनके अधीन जिला अस्पताल में लाखों रुपए माह की बिजली चोरी हो रही है जिसकी जानकारी प्राचार्य डॉक्टर योगेश गोयल एवं जिला अस्पताल के सीएमएस डॉक्टर नवीन जैन को भी है जिसके कारण सिटी स्कैन मशीन

15 दिन से बंद रही थी और एक्स-रे मशीन भी बंद हो गई और ट्रॉमा सेंटर में अंधेरा भी हो गया था जिसके कारण मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था परंतु यहां चोरी रोकने का कोई काम नहीं किया गया जिला अस्पताल में बिजली चोरी रोकने के लिए कोई दबाव था या कोई अन्य वजह जिसके चलते आज भी बिजली चोरी हो रही है वैसे तो प्राचार्य डॉक्टर योगेश गोयल कहते हैं कि मैं शिक्षा विभाग से आया हूं मुझे जिला अस्पताल से कोई मतलब नहीं यह तो किया यहां तो सीएमएस डॉक्टर नवीन जैन ही देखेंगे परंतु स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि के प्राचार्य बात-बात पर जेल भेजने की धमकी भी देते हैं प्राचार्य महोदय कार्य व्यवहार और व्यवस्था से चलता है न कि धमकी देने से व्यवस्था बनाने में प्राचार्य फेल नजर आ रहे हैं।

राजेश कुमार को अंगवस्त्र एवं मोमेंटो भेंट कर किया सम्मानित

वाराणसी, जीएनएस। भारतीय औद्योगिक व्यापार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणजीत केसरी के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त अपर जिलाधिकारी वाराणसी (नगर) डाक्टर राजेश कुमार से शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया 7 इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने वाराणसी के व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं एवं व्यापारिक हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके समाधान की मांग रखी 7 वाराणसी में डाक्टर राजेश कुमार को एडीएम सिटी के रूप में पदभार ग्रहण करने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रणजीत केसरी ने उन्हें अंगवस्त्र पहनाकर तथा स्मृति



चिन्ह (मोमेंटो) भेंटकर सम्मानित किया 7 इसी क्रम में संगठन की जिलाध्यक्ष आरती राय एवं पूर्वांचल अध्यक्ष सोनी जायसवाल ने भी एडीएम वाराणसी नगर को एडीएम वाराणसी नगर को अशोक स्तंभ भेंटकर सम्मान एवं अभिनंदन किया 7 संगठन के पदाधिकारियों द्वारा किए गए इस सम्मान से मुलाकात का वातावरण आत्मीय एवं सौहार्दपूर्ण रहा मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष रणजीत केसरी ने कहा कि

वाराणसी का व्यापारी वर्ग शहर के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है 7 व्यापारियों की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान होने से न केवल व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि शहर के विकास को भी नई गति प्राप्त होगी 7 उन्होंने कहा कि संगठन सदैव व्यापारियों की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक एवं रचनात्मक तरीके से उठाता रहा है प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम सिटी डाक्टर राजेश कुमार के समक्ष व्यापारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से रखा 7 इस दौरान व्यापारिक प्रतिष्ठानों के संचालन, स्थानीय प्रशासन से

संबंधित विषयों, व्यापारियों को आने वाली व्यावहारिक परेशानियों तथा व्यापारिक गतिविधियों को सुचारु बनाए रखने से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई 7 प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया । जिलाध्यक्ष वाराणसी आरती राय ने कहा कि व्यापारी समाज हमेशा प्रशासन के साथ सकारात्मक सहयोग के लिए तत्पर रहता है 7 यदि व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना और उनका समाधान किया जाए तो व्यापारी वर्ग और अधिक उत्साह एवं ऊर्जा के साथ शहर के विकास में अपनी भूमिका निभा सकता है।

कोतवाली वार्ड पर हुआ सफाई कर्मचारी नेताओं का स्वागत

आगरा, जीएनएस। नगर निगम के सफाई कर्मचारी नेताओं के स्वागत की श्रृंखला में स्वास्थ्य विभाग के कोतवाली वार्ड में आज सेवा प्रदाता द्वारा नियोजित ठेका और सविदा सफाई कर्मचारियों ने नगर निगम के सफाई कर्मचारियों का फूलमाला, पटका और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। ज्ञातव्य है कि इस महीने सफाई कर्मचारियों, ड्राइवरों, कम्प्यूटर ऑपरेटरों आदि को बढ़ा हुआ वेतन मिला है। स्वागत कार्यक्रम में बोलते हुए सफाई कर्मचारी नेताओं ने कहा कि अल्प वेतन पाने बाला सेवा प्रदाता द्वारा नियोजित ठेका सफाई



कर्मचारी लगभग 2300 रुपये महीना बढ़ने पर बहुत खुश है। बढ़े वेतन से ठेका सफाई कर्मचारियों के परिवार की कुछ आर्थिक समस्याओं का निदान होगा। स्वागत कार्यक्रम में विनोद इलाहाबादी, सुन्दर बाबू चंचल, राजू डांगौर, रोहित लवानिया, राजेश साहू, अमित सत्याश्री, चौ0

सरवन विराट, सनी चौहान, मोनू चंचल, मनीष चौहान, नीरज कुमार, अमित चंचल, कामेश कुंज, शिवम दिलवारिया, आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर पूर्व जेड एस ओ इन्द्रजीत सिंह और स्वच्छता व खाद्य निरीक्षक एम0पी0, सिंह का भी सम्मान किया गया।

थाने के सामने ट्रक ने गाय को कुचला..

लहार। बीती रात्रि में लहार थाने के सामने अनियंत्रित ट्रक चालक ने गाय को कुचला कट गया गाय का पैर, मौके पर पहुंचे गौरक्षक संतोष चौहान ने किया प्राथमिक उपचार कुछ समय बाद पशु अस्पताल से भी पहुंचे चिकित्सक लगभग 11-00 बजे तक चला उपचार लेकिन उसके बाद भी गाय की हालत गंभीर घाव से खून निकलना नहीं हुआ बंद, गौरक्षक शिबू भदौरिया टीम का घायल गाय की उपचार सेवा में रहा।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की घड़ी में श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी का प्रकाशन

निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर

0751-2625029

9074257600

शिवपुरी

07492-232149

8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

बाबूलाल की मौत : हादसा या रसूख के दम पर दफन हुई हत्या? नोटों की गड़ियों के आगे खाकी और प्रशासन नतमस्तक, परिजनों की चुप्पी ने खड़े किए सवाल

डबरा के सराफा बाजार में एक पुराने जर्जर मकान के मलबे में दबकर हुई मजदूर बाबूलाल की मौत अब महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि रसूख और धनबल के गठजोड़ का जीता-जागता प्रमाण बन चुकी है। सबसे बड़ा और चुभता हुआ सवाल यह है कि आखिर एक गरीब इंसान की जिंदगी की कीमत कितनी लगी? चर्चाओं का बाजार गर्म है कि सोने-चांदी के बड़े कारोबारी सुशील निखरा ने अपनी तिजोरी

का मुंह खोलकर न सिर्फ मामले को रफा-दफा कर दिया, बल्कि कानून के रखवालों की आंखों पर भी नोटों की पट्टी बांध दी है। बिना परमिशन और सुरक्षा के चल रहा था मौत का खेल सोना-चांदी व्यापारी सुशील निखरा अपने पुराने मकान को तुड़वा रहा था। इस खतरनाक काम के लिए न तो नगर पालिका से कोई विधिवत अनुमति ली गई थी और न ही मौके पर सुरक्षा का कोई साजो-सामान था। सुशील निखरा



के यहां काम करने वाला गरीब बाबूलाल इस काम की देखरेख में लगा था, तभी भरभरा कर गिरी जर्जर दीवार के नीचे दबने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। नियमों को ताक पर रखकर कराए जा रहे

इस अवैध निर्माण कार्य ने सीधे तौर पर बाबूलाल की जान ली, जो साफ तौर पर गैर-इरादतन हत्या और आपराधिक लापरवाही का मामला बनता है। **नोटों की खनक के आगे सिस्टम लाचार:** हादसे के बाद न्याय की जो उम्मीद थी, वह व्यापारी के रसूख के आगे दम तोड़ती नजर आ रही है। मामले में कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं, ?पुलिस की रहस्यमयी खामोशी इतनी बड़ी लापरवाही से हुई मौत के बावजूद पुलिस ने अब तक

सख्त धाराओं में मामला दर्ज कर ठोस कार्रवाई करने की जहमत नहीं उठाई। नगर पालिका का अंधापन-घने बाजार में बिना अनुमति और सुरक्षा मानकों के इतना बड़ा ढांचा ढहाया जा रहा था, लेकिन नगर पालिका का अमला आंखें मूंदे बैठा रहा और अब तक कोई जुर्माना या सीलिंग की कार्रवाई नहीं हुई। परिजनों की साधी गई चुप्पी- सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जिस बाबूलाल ने अपनी जान गंवाई, उसी के परिजनों ने भी चुप्पी साध ली है।

क्षेत्र में खुलकर चर्चा है कि पर्दे के पीछे लाखों रुपयों में %समझौता% कर गरीब की जान का सौदा कर दिया गया है। ?कानून और कायदों को पैरों तले रौंदने वाले रसूखदारों के लिए क्या किसी गरीब की जान की कोई कीमत नहीं? जब नगर पालिका और पुलिस प्रशासन खुद पैसे के प्रभाव में मोन साध लें, तो आम आदमी इंसान की गुहार किससे लगाए? यह मामला अब सीधे तौर पर प्रशासनिक साख और खाकी की कार्यप्रणाली पर गहरा तमाचा है।

एसडीएम के औचक निरीक्षण में खुली व्यवस्थाओं की पोल,आंगनवाड़ी और स्कूल में मिलीं गंभीर खामियां

खराब ट्रांसफार्मर को लेकर धरने पर बैठे किसान, एक घंटे में बदलवाया गया

दबोह, जीएनएस।
एसडीएम महेंद्र सिंह सौजन्या के मंगलवार के दिन निरीक्षण से बिरखड़ी आंगनवाड़ी और शासकीय स्कूल में व्यवस्थाओं की हकीकत सामने आ गई। निरीक्षण के दौरान भोजन की गुणवत्ता से लेकर बिजली, पानी, शौचालय और शिक्षण व्यवस्था तक कई कमियां मिलीं। एसडीएम ने लापरवाही पर संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। आंगनवाड़ी में भोजन की गुणवत्ता पर सवाल आंगनवाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान मेन्यू के अनुसार भोजन

नहीं दिया जाना पाया गया। भोजन की गुणवत्ता भी खराब मिली। महिलाओं को वितरित किए जाने वाले खाद्य पैकेट की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हुए। केंद्र में नया ऋह लगा होने के बावजूद पानी का कनेक्शन नहीं था। बिजली कनेक्शन नहीं होने के साथ शौचालय भी चालू हालत में नहीं मिले। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका किसी भी कमी का संतोषजनक जवाब नहीं दे सकीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए छष्ट्रह्, आंगनवाड़ी प्रभारी और खाद्य पैकेट उपलब्ध कराने वाले समूह को कारण बताओ नोटिस

(स्पष्ट) जारी किया जा रहा है। स्कूल के निरीक्षण में भवन की मरम्मत की आवश्यकता सामने आई। कक्षाओं में लाइट और पंखे की व्यवस्था नहीं थी। बालकों का शौचालय बंद मिला। विद्यार्थियों को मेन्यू के अनुसार भोजन नहीं दिए जाने की स्थिति भी सामने आई। वहीं एक शिक्षक लगातार अवकाश पर पाए गए। निरीक्षण के दौरान कक्षा 1 से 5 तक 25 विद्यार्थी तथा कक्षा 6 से 8 तक 24 विद्यार्थी उपस्थित मिले। स्कूल में किताबें भी शेष पड़ी मिलीं। एसडीएम ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक क्षमता की भी जांच की।

कक्षा 7 में पढ़ने वाली दो छात्राएं अंग्रेजी पढ़ नहीं पाईं। इस पर शैक्षणिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए। मामले में प्रधानाध्यापक को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा संबंधित अंग्रेजी शिक्षक के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की बात कही गई। एसडीएम महेंद्र सिंह सौजन्या ने निरीक्षण के दौरान मिली कमियों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू होने से विभाग में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

फिरोजाबाद। राजा ताल में 10-12 दिन से खराब पड़े ट्रांसफार्मर को लेकर भारतीय किसान क्रांति यूनियन के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने बृहस्पतिवार को बिजली विभाग के एमडी कार्यालय, लेबर कॉलोनी में धरना दिया। जिलाध्यक्ष राहुल यादव एडवोकेट के नेतृत्व में ग्रामीणों ने विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने की जानकारी पहले जेई को दी गई थी, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। इसके बाद संगठन की ओर से एसी और चीफ अभियंता

को भी मामले से अवगत कराया गया। एक दिन में ट्रांसफार्मर बदलवाने की मांग की गई थी। मांग पूरी नहीं होने पर धरना देने की चेतावनी दी गई थी। धरना शुरू होने के करीब एक घंटे बाद बिजली विभाग ने नया ट्रांसफार्मर मौके पर रखवा दिया। नया ट्रांसफार्मर पहुंचने के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया। इस दौरान अनिल यादव, प्रधान प्रत्याशी राजा ताल, समेत संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। संगठन के जिलाध्यक्ष राहुल यादव ने कहा कि ग्रामीणों की समस्या का समाधान होने के बाद धरना समाप्त किया गया।

धरना स्थल पर मारपीट और जान से मारने की धमकी का आरोप, जिला पंचायत सदस्य ने मांगी सुरक्षा

स्वसहायता समूहों का राखी मेला आज से

पिछोर, जीएनएस।
वीरांगना महारानी अवंती बाई लोधी की प्रतिमा हटाए जाने के विरोध में पिछोर क्षेत्र में चल रहा धरना प्रदर्शन अब विवादों में घिर गया है। धरना स्थल पर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी का गंभीर आरोप सामने आया है। मामले में जिला पंचायत सदस्य ने थाना पिछोर में लिखित आवेदन देकर पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। मामला ग्राम महोली तिराहा, चंदेरी क्षेत्र का है। यहां वीरांगना महारानी अवंती बाई लोधी की प्रतिमा हटाए जाने के विरोध में लोधी

समाज सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा पिछले कई दिनों से धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि प्रतिमा को सम्मान के साथ उसी स्थान पर पुनः स्थापित किया जाए। इसी धरना प्रदर्शन के दौरान आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जिला पंचायत सदस्य मनीराम लोधी निवासी ग्राम जराय, तहसील पिछोर ने थाना प्रभारी पिछोर को दिए आवेदन में अपनी आपबीती बताई है। आवेदन में उन्होंने कहा है कि 12 अगस्त 2026 को महोली तिराहा पर आयोजित धरने के दौरान कुछ लोगों ने उनके साथ और उनके साथियों के

साथ अभद्रता की। उस समय मामले को समझा-बुझाकर शांत करा दिया गया था, लेकिन 14 अगस्त को विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। मनीराम लोधी ने आवेदन में आरोप लगाया है कि 14 अगस्त को धरना स्थल पर राकेश लोधी, मंगल लोधी, सुनील लोधी, रिकू लोधी, अजय लोधी सहित 20 से 25 अन्य लोग एकत्र हुए और लाठी-डंडे, लोहे की सरिया और पत्थरों से उन पर व उनके समर्थकों पर हमला कर दिया। आवेदन के मुताबिक इस हमले में स्वयं मनीराम लोधी के हाथ-पैरों में चोटें आई हैं। उनके साथी सुरेंद्र लोधी को गंभीर चोटें आई हैं, उनके

हाथ-पैर में फ्रैक्चर और गहरे घाव होने का दावा किया गया है। इसके अलावा साहित्य लोधी और महेश डोंगर के भी घायल होने की बात आवेदन में कही गई है। घायलों का स्थानीय स्तर पर उपचार कराए जाने की जानकारी दी गई है। जिला पंचायत सदस्य ने अपने आवेदन में एक और गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि घटना के बाद से उन्हें और उनके साथियों को अज्ञात नंबरों से मोबाइल फोन पर लगातार जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। इससे वे और उनका परिवार दहशत में है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से

आरोपियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने और स्वयं सहित अपने परिवार व समर्थकों को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। इस घटना के बाद धरना स्थल पर तनाव की स्थिति बन गई है। एक ही समाज और एक ही मांग को लेकर बैठे दो पक्षों में हुए इस विवाद से आंदोलन भी कमजोर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वीरांगना अवंती बाई लोधी सभी के लिए सम्मान का प्रतीक हैं और उनकी प्रतिमा के मुद्दे पर सभी को एकजुट रहना चाहिए, आपसी लड़ाई से आंदोलन का उद्देश्य भटक जाएगा।

श्यापुर। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में स्वसहायता समूहों का राखी मेला 21 अगस्त से 25 अगस्त तक श्री रामतलाई हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित किया जा रहा है। डीपीएम एनआरएलएम श्री सोहनकृष्ण मुदगल ने बताया कि उक्त मेले में स्वसहायता समूहों द्वारा तैयार किये गये लोकल उत्पादों सहित राखी के विक्रय हेतु स्टॉल लगाये जायेंगे, यह मेला प्रातः 10 बजे से शाम 07 बजे तक संचालित होगा।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत जिले का तीसरा शिविर आज आलमपुर में

शिविर के सफल आयोजन के लिए क्लस्टर नोडल अधिकारी नियुक्त भिंड, जीएनएस।
मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत जिले का तीसरा शिविर 21 अगस्त को लहार अनुविभाग अंतर्गत आलमपुर के शासकीय महाविद्यालय में आयोजित किया जाएगा। जनविश्वास शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से

अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की है। शिविर में खाद्यान्न पच्ची, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र, फार्मर आईडी समग्र, आधार कार्ड निर्माण व अद्यतन और संबल पंजीयन की सुविधा मिलेगी। शिविर में राजस्व, कृषक कल्याण, उद्योग, पशुपालन, उद्यानिकी, श्रम, ऊर्जा, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण, महिला बाल विकास, सामाजिक न्याय, इत्यादि विभागों और नगर परिषद व जनपद पंचायत के स्टाल रहेंगे, जिसमें नागरिक अपनी लंबित और नई

शिकायतों का समाधान करवा सकेंगे और संबंधित हितग्राहीमूलक योजनाओं के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। जनसुनवाई में शिकायतकर्ता अपनी समस्याओं को जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे। शिविर में मेडिकल बोर्ड में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परीक्षण की सुविधा मिलेगी और मौके पर ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए जा सकेंगे। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया जाएगा जिसमें मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण और दवाई वितरण की व्यवस्था रहेगी। शिविर में मलेरिया, टीबी, कुष्ठ,

दंतरोग, नेत्र रोग और असंचारी रोगों-बीपी और मधुमेह की जांच और परामर्श दिए जाएंगे। मरीजों के लिए पैथोलाजी और एक्सरे जांच की भी व्यवस्था रहेगी। शिविर में आभा आईडी और आयुष्मान कार्ड भी बनाए जा सकेंगे। आलमपुर शिविर के सफल आयोजन के लिए 8 सेक्टर बनाकर क्लस्टर नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सेक्टर शाहपुरा नं 2 अंतर्गत गांगेपुरा, ररूआ नं 2 और शाहपुरा नं 2 ग्राम पंचायत के लिए ईई आरईएस श्री निखिल मिश्रा और डीएसओ श्री सुनील कुमार बोहित को, सेक्टर गेंथरी अंतर्गत गेंथरी, कुरथर और बरथरा ग्राम पंचायत के

लिए ईई पीडब्ल्यूडी श्री डीएस यादव और डीपीसी श्री शिवब्रह्म सिंह जादौन को, सेक्टर छान अंतर्गत खूजा, जाखौली और छान ग्राम पंचायत के लिए ईई पीआईयू श्री विपिन सोनकर और जिला शिक्षा अधिकारी श्री सुधांशु द्विवेदी को, सेक्टर मारपुरा अंतर्गत अधियारी नं 2, मारपुरा और विजपुरा ग्राम पंचायत के लिए ईई पीएचई श्री दीपक मोर्य और जिला संयोजक आदिम जाति श्री सीपी सोनी को, सेक्टर मुगवली अंतर्गत मुगवली, छिपावली नं 2 और बरौआ ग्राम पंचायत के लिए सीईओ अंत्यावसायी श्री गिराज तिवारी और पीओ नरेगा जिला पंचायत श्री नितिन

दुबे को, सेक्टर बीसनपुरा अंतर्गत अमाहा, बीसनपुरा और बड़ा गांव नं 2 ग्राम पंचायत के लिए उपसंचालक पशुपालन डॉ अवनीश शर्मा और ग्रामीण आजीविका मिशन श्री अमृतलाल सिंह को, सेक्टर अरुसी अंतर्गत रूरई, फरदुआ और अरुसी ग्राम पंचायत के लिए सीएमएचओ श्री जे.एस. यादव और डीपीओ श्री महेन्द्र सिंह अम्ब को, सेक्टर देवरीकला अंतर्गत देवरीकला, धर्मपुरा और परेछा ग्राम पंचायत के लिए ईई डब्ल्यूआरडी श्री आयुष दीक्षित और उपसंचालक कृषक कल्याण श्री रामसुजान शर्मा को क्लस्टर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

तुलसी जयंती पर कमलादेव हाउस में गूंजी भक्ति और साहित्य की रसधार, विभूतियों का हुआ 'लोकमंगल सम्मान'

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर साहित्य संस्थान एवं लोकमंगल पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के पावन अवसर पर भव्य 'लोकमंगल साहित्य सम्मान एवं कवि सम्मेलन' का आयोजन लश्कर स्थित कमलादेव हाउस (रायसिंह का बाग, रॉकसी) में गरिमामय वातावरण के बीच संपन्न हुआ। भक्ति, संगीत, वैचारिक विमर्श और काव्य धारा से सजे इस साहित्यिक अनुष्ठान में अंचल भर के प्रबुद्ध साहित्यकारों, विचारकों एवं कलाकारों का समागम हुआ।

7^{मं} सरस्वती वंदना और राम स्तुति के साथ हुआ शुभारंभ समारोह की शुरुआत वैदिक परंपरा के अनुसार दीप प्रज्वलन तथा माँ शारदा, महाकवि तुलसीदास जी एवं दिवंगत

महाकवि स्व. पं. रामप्रकाश %अनुरागी% के चित्रों पर माल्यार्पण कर की गई। इसके उपरांत प्रवीण कमठान ने सुमधुर वाणी में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वहीं, कथक नृत्यांगना अनुभूति दुबे द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण 'राम स्तुति' ने सभी उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

? तुलसी और अनुरागी जी के पदों के गायन से बंधी रसधार सांगीतिक सत्र में भक्ति और दर्शन का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। संगीत गुरु श्री राजेन्द्र पारीक ने तुलसीदास जी के अमर पदों का सुरीला गायन किया। इसके पश्चात प्रसिद्ध कथावाचक पं. अंकित शर्मा ने स्व. अनुरागी जी के कालजयी महाकाव्य %वंदनीय मानस के तुलसी% से छंदों व पदों का अत्यंत ओजस्वी और मधुर



गायन कर सभागार को रामभक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। भजन गायक एवं भूपेन्द्र सिंह भदौरिया ने भी अपनी संगीतमय प्रस्तुतियों से खूब तालियां बटोरीं।

समारोह के वैचारिक सत्र में पत्रिका के संरक्षक डॉ. भगवानस्वरूप चैतन्य ने प्रस्तावना

रखते हुए तुलसी साहित्य के लोकमंगल स्वरूप को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ. श्रद्धा सक्सेना ने कहा कि तुलसी का काव्य मानव चेतना और मर्यादा का शाश्वत दस्तावेज है। शिक्षाविद कवयित्री डॉ. राजरानी शर्मा ने स्व. पं.

रामप्रकाश अनुरागी जी के साहित्यिक अवदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि प्रधानमुख्य वन संरक्षक ललित भारती जी, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. केशव पाण्डेय, ने भी अपने प्रेरणादायी विचार रखे तथा साहित्य को समाज का दर्पण बताया।

? साहित्य और कला जगत की विभूतियों को 'लोकमंगल साहित्य सम्मान'

कार्यक्रम में साहित्य, कला, संगीत और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को शॉल, श्रीफल व प्रशस्ति पत्र भेंट कर अलंकृत किया गया। सम्मानित होने वाले प्रमुख नामों में सीताराम बघेल, डॉ. राजरानी शर्मा, पं. अंकित शर्मा, संगीत गुरु राजेन्द्र पारीक, इतिहासकार राजेन्द्र श्रीवास्तव, चित्रकार के.पी. श्रीवास्तव,

श्रीमती सुनीति बैश डॉ. पुष्पा सिसौदिया, अनुभूति दुबे, भजन गायक वरिष्ठ पत्रकार सुरेश दंडोटिया, वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र झखरिया शामिल रहे।

?कार्यक्रम के अंत में काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें उपस्थित कवियों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

?कार्यक्रम के सफल आयोजन पर संरक्षक डॉक्टर भगवान स्वरूप चैतन्य सभी का आभार व्यक्त किया और उसके बाद दैनिक जनता की राय के संपादक एवं संयोजक अजय दुबे तथा सह-समन्वयक प्रवीण कमठान, डॉ. लालजी, , भूपेन्द्र सिंह भदौरिया एवं राजकुमार शर्मा ने सभी पक्षों से अतिथियों, साहित्यकारों एवं साहित्य प्रेमियों का आभार व्यक्त किया।

क्रियेटिव श्योपुर अंतर्गत पोषण एवं पराम्परा महोत्सव आयोजित

पारम्पारिक व्यंजनों की बहार, छाछ की महेरी से लेकर ककोड़े की सब्जी का स्वाद

श्योपुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा की पहल क्रियेटिव श्योपुर अंतर्गत आज आंकाक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम अंतर्गत एनआरएलएम के सीटीसी केन्द्र में पोषण एवं परम्परा महोत्सव का भव्य आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए छाछ की महेरी से लेकर ककोड़े की सब्जी जैसी देशी व्यंजनों की बहार रही।

इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण वितरण करते हुए कहा कि खान-पान हमारी संस्कृति के परिचायक है, हर व्यंजन की अपनी कहानी है और अपना स्वाद है, आज के महोत्सव में श्योपुर क्षेत्र के कई पारम्पारिक व्यंजनों का स्वाद चखने का अवसर मिला, जो अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि खान-पान को रोजगार के अवसर के रूप में भी बदला जा सकता है, इसके लिए एनआरएलएम के

माध्यम से आम नागरिकों के लिए फूड फेस्टिवल के आयोजन किये जायें। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक कला और कौशल से विविध व्यंजन न केवल तैयार किये, बल्कि उनका प्रस्तुतीकरण भी ईको फ्रेंडली तरीके से किया गया, जो प्रशंसनीय है, छोले के पत्ते से बने पत्तल-दोनो के माध्यम से इन व्यंजनों का प्रदर्शन आकर्षक रहा है।

सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद ने कहा कि आज का महोत्सव पोषिकता एवं स्वाद का अनोखा संगम है, स्वसहायता समूह की महिलाओं एवं महिला बाल विकास विभाग अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा देशी तरीके से तैयार किये गये व्यंजनों का स्वाद अनूठा है। महोत्सव में 64 प्रतिभागियों द्वारा भाग लेकर पारम्पारिक व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया, इसके तहत महिलाओं द्वारा ज्वार, बाजरे की रोटी से लेकर गट्टे और ककोड़े की सब्जी तथा छाछ की महेरी से लेकर वेजीटेबल जूस, नीबू का मुरब्बा और देशी तरीके से तैयार किये गए।

ग्राम पंचायत नयागाँव में नवांकुर सखियों को पौधों का वितरण

श्योपुर, जीएनएस।

जन अभियान परिषद श्योपुर सेक्टर बड़ोदा की ग्राम पंचायत नयागाँव में नवांकुर संस्था मातेश्वरी सेवा संस्था द्वारा नवांकुर सखियों को पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक समन्वयक श्रीमती शाहीन परवीन ने महिलाओं को चर्चा करते हुए बताया कि हम सबको अपनी आने

वाली पीढ़ी के लिए पौधे लगाकर पर्यावरण को संरक्षित कर सकते हैं। संस्था प्रतिनिधि श्री अविनाश माहौर ने महिलाओं एवं युवा साथियों समिति सदस्यों से आग्रह किया कि हम सब मिलकर कम से कम एक एक पौधा जरूर लगाए। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष श्री दिनेश शिवहरे द्वारा आभार व्यक्त किया गया।



हनुमान खेडा में निकली हरियाली यात्रा एक पेड़ माँ के नाम लगाने की ली शपथ

श्योपुर, जीएनएस।

जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था मानव फाउन्डेशन द्वारा आज सोमवार को ग्राम पंचायत मयापुर के ग्राम हनुमानखेडा में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जन अभियान परिषद की ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नीतू गौतम उपस्थित रही। हरियाली यात्रा में नवांकुर संस्था के सदस्य एवं सीएमसीएलडीपी के परामर्शदाता



श्री प्रमोद तिवारी, ऑगनवाडी सहायिका तथा स्कूली शिक्षकों के साथ ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्यों ने भागीदारी की। इस

अवसर पर नवांकुर सखियों को पौधे वितरित किये गए साथ ही गांव में हरियाली यात्रा एवम् तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस

अवसर पर जन अभियान परिषद की ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नीतू गौतम ने बताया कि हमें एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अन्तर्गत पौधा लगाना चाहिए। साथ ही पौधे की तीन सालों तक उचित देखभाल की जिम्मेदारी भी निभाना है साथ ही हमें और लोगों को पौधे लगाने हेतु प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के अंत में परामर्शदाता श्री प्रमोद तिवारी द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु शपथ दिलाई गई साथ ही आभार व्यक्त किया गया।

ऐसे ग्राम जो एप्रोच रोड से शेष है, उनके प्रस्ताव तैयार करें: सांसद तोमर

श्योपुर, जीएनएस।

क्षेत्रीय सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर ने कहा कि पीएम जनमन तथा पीएमजीएसवाय अंतर्गत ग्रामों को सड़को से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है तथा पीएम जनमन में 57 और पीएमजीएसवाय-4 में 48 सड़को की टेंडर प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है। ऐसे ग्राम जहां कम दूरी की सड़के बनाकर उन्हें मुख्य सड़क से जोड़ा जा सके, इस प्रकार की एप्रोच रोड के प्रस्ताव तैयार किये जायें, इसमें विजयपुर से किलोरच रोड तक, मेवाडा माली बस्ती से कैनाल रोड तक, राडेप से लाथ तक के रोड को शामिल किया जायें, इन्हें स्वीकृत कराने की कार्यवाही की

जायेगी। यह निर्देश उन्होंने आज कलेक्टर सभाकक्ष में निर्माण विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिये।

बैठक में कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डि बाई आदिवासी, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद, अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शशांक भूषण, पूर्व विधायक श्री दुर्गालाल विजय, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्री महावीर सिंह सिसौदिया, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जाट एवं श्री अशोक गर्ग, श्री कैलाश नारायण

गुप्ता, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री राघवेंद्र जाट, भाजपा महामंत्री श्री संजय अकोदिया, भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री गौरीशंकर मीणा, सांसद प्रतिनिधि श्री सुजीत गर्ग, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री ओम राठौर, श्री दिनेश दुबोलिया, प्रभारी एसडीएम श्री शिवलाल शाक्य सहित निर्माण विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर ने कहा कि निर्माण एवं विकास कार्यों से संबंधित कार्य समयावधि में पूर्ण कराये जाये तथा ऐसे कार्य जो वरिष्ठ स्तर पर लंबित हैं, उनकी सूची उन्हें उपलब्ध कराई जायें, जिससे उन कार्यों की

स्वीकृति के लिए वरिष्ठ स्तर पर प्रयास सुनिश्चित किये जायें। उन्होंने कहा कि सांदीपनि श्योपुर एवं विजयपुर के निर्माण कार्य अगले दो माह में पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने निर्देश दिये कि एनएच, पीएमजीएसवाय, आरईएस, स्वास्थ्य विभाग, पीआईयू एवं लोक निर्माण विभाग सहित पीएम जनमन में संचालित निर्माण कार्यों की शीघ्रता से पूर्ण किया जायें तथा नवीन स्वीकृत कार्यों को शुरू करने के लिए जनप्रतिनिधियों के माध्यम से भूमिपूजन कराये जायें। इसी प्रकार पूर्ण हुए कार्यों के लोकार्पण भी

सुनिश्चित किये जायें। इस अवसर पर उन्होंने 20 अगस्त से आयोजित होने वाली श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा के संबंध में भी जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद द्वारा बैठक के दौरान वीबी जी रामजी योजना के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि योजना के तहत एक वर्ष में ग्रामीण रोजगार की 125 दिवस रोजगार की गारंटी दी गई है। इस योजना में 4 प्रकार के कार्यों के क्रियान्वयन का प्रावधान किया गया है, जिसमें 313 प्रकार के कार्य शामिल हैं। उन्होंने जानकारी दी कि योजना के तहत

जल सुरक्षा से संबंधित 107 प्रकार के विभिन्न कार्य किये जा सकेंगे, कोर रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित 90 प्रकार के ग्रामीण आजीविका से संबंधित 86 प्रकार के तथा विभिन्न प्रकार की आपदाओं के समय राहत पहुंचाने हेतु 35 प्रकार के कार्यों को शामिल किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से डीपीएम श्री हेमंत रावत ने जानकारी दी कि वर्तमान में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 10 भवनों का निर्माण संचालित है, जिसमें जिला मुख्यालय पर 150 बेड के अस्पताल का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है तथा एक माह में विधुत आदि का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा।

स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता के तहत स्कूलों में पहुंचकर वालेंटियरों ने दिया स्वच्छता का संदेश

बच्चों ने पूछा-हम कैसे निभा सकते हैं स्वच्छता की जिम्मेदारी

ग्वालियर जीएनएस
शहर को स्वच्छ रखने में बच्चे अपनी भूमिका कैसे निभा सकते हैं और स्कूल व घर को साफ रखने के लिए क्या कदम उठाए जाएं, ऐसे सवाल छात्रों ने स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता के दौरान वालेंटियरों से पूछे। स्कूलों में स्वच्छता का पाठ पढ़ाने पहुंचे वालेंटियरों ने बच्चों को स्वच्छता के नियमों और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देश और अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव के निर्देशन में स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता के तहत विभिन्न स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वालेंटियरों द्वारा बच्चों और स्कूल स्टाफ को स्वच्छता के महत्व के साथ प्रतियोगिता की जानकारी भी दी जा रही है।
गीले कचरे से खाद बनाने की दी जानकारी : गुरुवार को

रामकृष्ण विद्या मंदिर, दिल्ली पब्लिक स्कूल और ग्रीन वुड पब्लिक स्कूल में वालेंटियरों ने पहुंचकर छात्रों को स्वच्छता संबंधी जानकारी दी। इस दौरान बच्चों को गीले कचरे से खाद बनाने की प्रक्रिया समझाई गई। साथ ही एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) के बारे में भी बताया गया।
बच्चों ने पूछे जिम्मेदारी से जुड़े सवाल : कार्यक्रम के दौरान

बच्चों ने वालेंटियरों से पूछा कि सड़क किनारे गंदगी करने और कचरा कहीं भी फेंकने वालों पर नगर निगम क्या कार्रवाई करता है। छात्रों ने यह भी जानना चाहा कि वे स्वयं शहर को स्वच्छ रखने में किस तरह योगदान दे सकते हैं।
स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में कंसल्टेंट अमित सिंह, आरजे अर्जुन, दीक्षा दुबे, अभिषेक पंचाल, निहाल सिंह यादव सहित अन्य वालेंटियर उपस्थित रहे।



हरे रंग की चूड़ियों और पारंपरिक परिधान में पहुंची महिलाएं
यूथ हॉस्टल्स की महिला विंग ने मनाया हरियाली तीज उत्सव



ग्वालियर जीएनएस
यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ग्वालियर की महिला विंग की ओर से शहर के एक निजी होटल में हरियाली तीज के अवसर पर नृत्य और संगीत से भरपूर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक नीलम चतुर्वेदी ने सभी महिला सदस्यों का माथे पर टीका लगाकर स्वागत किया। इसके बाद सभी सदस्यों ने अपना परिचय दिया।

पारंपरिक परिधान में महिलाओं ने लिया उत्सव का आनंद : हरियाली तीज के अवसर पर महिला सदस्य हरी चूड़ियां, मेहंदी और सोलह शृंगार के साथ भारतीय परंपरा के अनुरूप सीधे पल्लू की साड़ी पहनकर कार्यक्रम में पहुंचीं। इस दौरान महिलाओं ने विभिन्न खेल और हाउजी में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से नृत्य

कर उत्सव का आनंद लिया। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।
पौधरोपण और जरूरतमंद महिलाओं की मदद का संकल्प
कार्यक्रम के दौरान महिला सदस्यों ने अगला कार्यक्रम पौधरोपण के रूप में आयोजित करने का निर्णय लिया। साथ ही जरूरतमंद महिलाओं की मदद करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में सभी महिला सदस्यों को शृंगार सामग्री भेंट की गई।
इस अवसर पर नीलम चतुर्वेदी, मंजू माहौर, अल्पना सिंघल, अर्चना मिश्रा, स्वाती अग्रवाल, अनिता चतुर्वेदी, सारिका जैन, सुमन दुबे, प्रमिला खुराना, निधि भटनागर, भूमि जिंदल, रिया राय, मानसी भागव, लक्ष्मी तिवारी और ममता शर्मा सहित महिला सदस्य उपस्थित रहीं।

गोपाचल पर्वत पर अतिथि भवन का हुआ लोकार्पण
देशभर से आने वाले यात्रियों और श्रद्धालुओं को मिलेगी ठहरने की बेहतर सुविधा

ग्वालियर जीएनएस
विश्व प्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र एवं ग्वालियर की पहचान जैन तीर्थक्षेत्र गोपाचल पर्वत पर यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए न्यास द्वारा निर्मित अतिथि भवन का विधिवत लोकार्पण किया गया। अतिथि भवन में देश के विभिन्न शहरों से प्रतिदिन गोपाचल पर्वत आने वाले यात्रियों एवं श्रद्धालुओं के ठहरने की बेहतर और सुविधाजनक व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है।



अतिथि भवन का लोकार्पण श्रेष्ठी मुकेश-बबीता जैन, आकाश-नीलांशा जैन एवं अतिथय शुभि जैन, जैना ज्वेलर्स परिवार द्वारा पूजन-विधान के साथ गुरु भगवंत

के मंगल आशीर्वाद से किया गया।
सेवा और सहयोग की सराहना : समाज के प्रवक्ता ललित जैन भारती ने बताया कि इस अवसर पर गोपाचल पर्वत संरक्षण न्यास के अध्यक्ष श्यामलाल विजयवर्गीय, मंत्री अजीत वरैया, कोषाध्यक्ष अनिल

शाह, सकल जैन महापंचायत ग्वालियर के अध्यक्ष पारस जैन, डॉ. शीतलचंद जैन एडवोकेट, ओमप्रकाश जैन, विजय जैन एवं अनुपम चौधरी जैन सहित समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।
न्यास पदाधिकारियों एवं

समाजजनों ने जैना ज्वेलर्स परिवार के सेवा एवं सहयोग कार्य की सराहना करते हुए परिवार को बधाई एवं अनुमोदना व्यक्त की।

श्रद्धालुओं के लिए उपयोगी साबित होगा अतिथि भवन : न्यास पदाधिकारियों ने कहा कि गोपाचल पर्वत पर प्रतिदिन देश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु दर्शन-वंदना के लिए आते हैं। ऐसे में यह अतिथि भवन यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगा। इससे तीर्थक्षेत्र में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ गोपाचल पर्वत की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने में भी मदद मिलेगी।

गहोई वैश्य सेवा संस्थान ने किया समाज के पदाधिकारियों का सम्मान

ग्वालियर जीएनएस
गहोई वैश्य सेवा संस्थान ग्वालियर की ओर से विभिन्न सामाजिक एवं व्यावसायिक संस्थाओं में महत्वपूर्ण दायित्व संभाल रहे समाज के पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में ग्वालियर विकास प्राधिकरण के वाइस चेयरमैन सुधीर गुप्ता, चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी सचिव दीपक अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुरेश बंसल, संदीप



नारायण अग्रवाल, जीवाजी क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र सेठ एवं हर्ष सेठ

सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अशोक कस्तवार और जगदीश दमेले ने किया स्वागत : कार्यक्रम के दौरान चेंबर ऑफ कॉमर्स में गहोई वैश्य समाज के कार्यकारिणी सदस्यों का गहोई वैश्य सेवा संस्थान की ओर से अशोक कस्तवार, जगदीश दमेले एवं संस्थान के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक एकजुटता और सहयोग की भावना को मजबूत करने पर जोर दिया।

पंजीयन शुरू, भारद्वाज मेशन में एक रिश्ता तय; आज वरिष्ठजनों की सेवा कर गोस्वामी को करेंगे सम्मानित

18वां निशुल्क ब्राह्मण परिचय सम्मेलन 13 सितंबर को

ग्वालियर जीएनएस
सकल ब्राह्मण महासमिति की ओर से 18वां निशुल्क ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन 13 सितंबर, रविवार को शिवपुरी के तुलसी आश्रम स्थित परशुराम सभागार में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन के लिए विवाह योग्य युवक-युवतियों के निशुल्क पंजीयन शुरू हो गए हैं। वहीं ग्वालियर के ब्राह्मण रिश्ता केंद्र, भारद्वाज मेशन दौलतगंज में एक रिश्ता भी तय कराया गया।

संस्था के संस्थापक डॉ. जयवीर भारद्वाज ने बताया कि पंजीयन अभियान के तहत घर-घर जाकर विवाह योग्य युवक-युवतियों का विवरण जुटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिचय सम्मेलन से वर-वधू चयन की प्रक्रिया सरल होती है और समाज के युवक-युवतियों को एक मंच पर परिचय देने का अवसर मिलता है। इससे सामाजिक संबंध मजबूत होने के साथ दहेज प्रथा और विवाह में होने वाले अनावश्यक



खर्च को रोकने में भी मदद मिलती है। भारद्वाज मेशन में आयोजित

कार्यक्रम में डॉ. जयवीर भारद्वाज, कार्यालय मंत्री देवेन्द्र कुमार पाठक, महिला संयुक्त अध्यक्ष संगीता शर्मा और ब्रह्मदत्त पाण्डेय शास्त्री की मौजूदगी में एक रिश्ता तय हुआ। सम्मेलन के लिए श्रीनिवास उपाध्याय को मुख्य संयोजक, महावीर मुदगल को संयोजक और पुरुषोत्तम कांत शर्मा को स्वागताध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में विवाह योग्य युवक-युवतियों के विवरण वाली स्मारिका का विमोचन भी किया जाएगा।

आज स्वर्ण सदन आश्रम में वरिष्ठजनों की सेवा

सकल ब्राह्मण महासमिति के स्थापना एवं धर्म-समाज सेवा सप्ताह के तहत विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर 21 अगस्त को सुबह 9.30 बजे स्वर्ण सदन आश्रम, गुडगुडी नाका मुक्तिधाम के पीछे वरिष्ठजनों की सेवा की जाएगी। कार्यक्रम में ब्रह्मदत्त पाण्डेय शास्त्री और वरिष्ठ समाजसेवी श्याम बाबू शर्मा अतिथि होंगे। अध्यक्षता एचबी शर्मा करेंगे। इस अवसर पर आश्रम के संचालक विकास गोस्वामी को राष्ट्र सेवक सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।